''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 02, अंक 08 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए बुधवार, 08 जनवरी 2025 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने राजस्व विभाग के नव-नियुक्त पटवारियों का किया स्वागत

सीएम सैनी ने नव-नियुक्त पटवारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

समाचार गेट/संजय शर्मा

पंचकूला। हरियाणा सरकार ने बिना पर्ची, बिना खर्ची के सरकारी नौकरी का वादा निभाते हुए 26,000 युवाओं को रोजगार प्रदान किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में नव-नियुक्त पटवारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

इस अवसर पर राजस्व विभाग के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा, और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित रहे। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने नव-नियुक्त पटवारियों का स्वागत करते हुए उन्हें जनहित में कार्य करने का संकल्प दिलाया। मुख्यमंत्री सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि यह नियुक्तियां पारदर्शी और निष्पक्ष प्रणाली का प्रमाण हैं।

विपुल गोयल का सुशासन पर जोर:

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि हरियाणा के राजस्व विभाग में पारदर्शिता और सुशासन को साकार करने का हमारा ध्येय है। पहली बार इतनी बड़ी संख्या में पटवारियों की नियुक्ति हुई है, जो हरियाणा के विकास में अहम योगदान देंगे। उन्होंने नव-नियुक्त पटवारियों को शुभकामनाएं देते हुए राजस्व विभाग को जनहित और सुशासन का प्रतीक बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री सैनी के नेतृत्व की सराहना:

विपुल गोयल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्रशंसा का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने बिना पर्ची, बिना खर्ची के 26 हजार युवाओं को रोजगार देकर हरियाणा के विकास का नया अध्याय लिखा है। उन्होंने राजस्व विभाग में सुधार और पारदर्शिता लाने के लिए मुख्यमंत्री के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

भर्ती प्रक्रिया में बड़े सुधार:

हरियाणा सरकार ने ग्रुप सी और डी की भर्तियों में इंटरव्यू समाप्त कर दिया है और बार-बार परीक्षा देने की समस्या को दूर करने के लिए कॉमन पात्रता परीक्षा (ष्टश्वञ्ज) लागू की है। इसके अलावा, पटवारियों की ट्रेनिंग अवधि को सेवा में शामिल करने की घोषणा भी की गई है।

राजस्व विभाग के विकास पर फोकस:

कैबिनेट मंत्री गोयल ने कहा कि राजस्व विभाग सुशासन और जनसेवा को प्राथमिकता देता है। उन्होंने नव-नियुक्त पटवारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपकी मेहनत और ईमानदारी से हरियाणा का राजस्व विभाग पूरे देश में एक मिसाल बनेगा।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भागीदारी करने वाले प्रतिभागियों के समूह को मुख्यमंत्री आज चंडीगढ़ से करेंगे रवाना

महोत्सव में हरियाणा के 75 युवा भाग लेंगे

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कल 8 जनवरी को राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भागीदारी करने वाले प्रतिभागियों के समूह को चंडीगढ़ से हरी झंडी दिखा कर रवाना करेंगे।

इस बारे में जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि आगामी 10 जनवरी से 12 जनवरी तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में राष्ट्रीय युवा महोत्सव होगा जिसमें हरियाणा के कुल 75 प्रतिभागियों का एक प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेगा।

उन्होंने बताया कि हरियाणा के युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग के तत्वाधान में कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय द्वारा गत नवंबर 2024 में हरियाणा के सभी 22 जिलों में जिला युवा महोत्सवो का आयोजन किया गया था जिसमें विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताओं में लगभग 6000 युवाओं ने भाग लिया और अपनी अद्वितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके बाद 3 जनवरी से 5 जनवरी 2025 तक राज्य युवा महोत्सव का आयोजन पलवल में किया गया। इसमें जिला स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले लगभग 1000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि इस बार राष्ट्रीय युवा महोत्सव का थीम ''विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग'' पर आधारित है जिसमें पूरे देश से लगभग एक लाख युवाओं को भाग लेने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री के ''राजनीति में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने'' के सपने को साकार करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के दौरान विभिन्न विधाओं जैसे कि लोक गीत (समूह), लोक नृत्य (समूह), भाषण, कहानी लेखन, पेंटिंग, कविता लेखन, विषयगत (एकल) (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवाचार) तथा विषयगत (समूह) (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवाचार) में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 30 युवा प्रतिभागियों तथा ''विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग'' के 45 युवा प्रतिभागियों को मिलाकर कुल 75 प्रतिभागियों का समूह राष्ट्रीय युवा महोत्सव में हिस्सा लेगा। इन सभी को मुख्यमंत्री कल 8 जनवरी को दोपहर 12.00 बजे चंडीगढ़ से हरी झंडी दिखा कर भारत मंडपम, दिल्ली के लिए रवाना करेंगे। ज्ञात रहे कि हरियाणा को गत वर्ष नासिक, महाराष्ट्र में आयोजित 27वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में दूसरा स्थान प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हो चुका है।

सूरजकुंड इंटरनेशनल स्कूल के भावेश धुअन ने राष्ट्रीय स्तर खेल में जीता गोल्ड मेडल

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। दयालबाग स्थित सूरजकुंड इंटरनेशनल स्कूल के छात्र भावेश धुअन का राष्ट्रीय स्तर खेल 2024- 25 में प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होनें राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर में हुए यूथ रुरल गेम्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया खेल में शानदार प्रदर्शन कर सूरजकुंड इंटरनेशनल स्कूल का नाम रोशन किया। इस राष्ट्रीय स्तर खेल में अलग-अलग राज्यों के लगभग 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें सूरजकुंड इंटरनेशनल स्कूल के भावेश धुअन ने भी भाग लेकर 400 मीटर की दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्कूल की प्रतिष्ठा को बुलंदी तक पहुंचाया। सपोर्ट कोच दीपक सांगवान के नेतृत्व में भावेश धुअन ने गोल्ड मेडल प्राप्त कर अपने विद्यालय का परचम लहराया। इस अवसर पर सूरजकुंड इंटरनेशनल स्कूल के मुख्य निदेशक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सत्येंद्र भड़ाना ने छात्र व स्पोर्ट कोच दीपक सांगवान को बधाई देते हुए अपनी खुशी को सभी के सामने प्रस्तुत किया, तो वही स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती शुभ्रता सिंह ने इस उल्लेखनीय उपलबधि पर कोच व छात्र के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए जीवन में निरंतर अग्रसर रहने की प्रेरणा दी।

जनता व प्रशासन के बीच संवाद का सशक्त माध्यम बन रहे समाधान शिविर : विक्रम सिंह

समाचार गेट/जितेंद्र सिंह

फरीदाबाद। जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और प्रशासन को जनता के करीब लाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जिले में प्रत्येक कार्य दिवस में समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। समाधान शिविर लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित हो रहे हैं। डीसी विक्रम सिंह के दिशा-निर्देशन में शिविर का आयोजन किया जा रहा है व विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं। इसके अलावा बल्लभगढ़ व बड़खल सहित नगर निगम में समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है जहां संबंधित अधिकारियों द्वारा नागरिकों की शिकायतों का समाधान किया जा रहा है। मंगलवार को डीआरओ सुशील शर्मा ने समाधान शिविर में आये लोगों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए समाधान किया। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि समाधान शिविर का मुख्य उद्देश्य जनता की शिकायतों का मौके पर समाधान करना है। ये शिविर न केवल प्रशासन और आम जनता के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है बल्कि नागरिकों को उनकी समस्याओं के निवारण के लिए सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से भी राहत दे रहे हैं। एक ही छत के नीचे समस्याओं का समाधान होने से नागरिकों को राहत मिली है। शिविर में आने वाली समस्याओं को मौके पर गंभीरता से सुना जाता है और उनकी त्वरित समाधान प्रक्रिया शुरू की जाती है। विभिन्न विभागों के अधिकारी एक ही स्थान पर मौजूद रहते हैं, जिससे समस्याओं को हल करने में समय की बचत होती है।

फरीदाबाद पत्रकारों ने प्रधानमंत्री के नाम एडीसी को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र पत्रकार मुकेश चंद्राकर का निर्मम हत्या के विरोध मे जिला उपायुक्त कार्यालय के बाहर पत्रकारों ने किया रोष प्रकट

समाचार गेट/जितेंद्र सिंह

फरीदाबाद। लघु सचिवालय सेक्टर 12 जिला उपायुक्त कार्यालय के बाहर इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया फरीदाबाद के पत्रकार संघ अध्यक्ष समाजसेवी, डॉ. मोहन तिवारी के नेतृत्व में विभिन्न संघ से जुड़े पत्रकार संगठन के पत्रकारों ने छत्तीसगढ़ प्रदेश के स्वतंत्र पत्रकार मुकेश चंद्राकर की निर्मम हत्या के विरोध मे जिला उपायुक्त कार्यालय के बाहर रोष प्रकट किया। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की निर्मम हत्या ने पत्रकारिता जगत को झकझोर कर रख दिया है। इस नृशंस घटना के विरोध में वरिष्ठ पत्रकार मोहन तिवारी के नेतृत्व में जिला उपायुक्त कार्यालय के बाहर एकजुट होकर आक्रोश व्यक्त किया गया।

संघ के अध्यक्ष मोहन तिवारी ने इस हत्या की कठोर निंदा करते हुए प्रधानमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला उपायुक्त साहिल गुप्ता को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में मांग की गई कि हत्यारों को शीघ्रता से सख्त से सख्त सजा दी जाए, पीड़ति परिवार को पर्याप्त 50 लाख की मुआवजा प्रदान की जाए। साथ ही, पूरे राज्य में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की अपील की गई है। मोहन तिवारी ने कहा की छत्तीसगढ़ के रहने वाले पत्रकार मुकेश चंद्रकार के पोस्टमार्टम में रूह कंपा देने वाली नृशंसता सामने आई है। उसके लीवर 4 टुकड़ों में मिले हैं। 5 पसलियां टूटीं, सिर पर 15 फ्रैक्चर, हार्ट फटा हुआ और गर्दन टूटी हुई मिली है।

पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों ने बताया की अपने कॅरियर में इतनी

बुरी स्थिति में कोई शव नहीं देखा है। पत्रकार मुकेश की हत्या से लगता है की आरोपियों ने पहले पीछे से वार किया और जब वह गिर गया तो उस पर ताबड़तोड़ वार किए गए है, जिससे पलभर में ही उसकी मौत हो गई है। शव का पोस्टमार्टम करने वालों डॉक्टरों के मुताबिक कि मुकेश का हार्ट फट गया था उसकी एक कॉलर बोन भी टूट गई थी। इस घटना पर वरिष्ठ पत्रकार पंकज माथुर,राकेश सुकवारिया, हरकुलिश पांडेय, रितेश कुशवाहा,गोविंद, आकाश,दिनेश कुमार, बेनजीर हाशमी ने एक शुरू में कहा की बीजापुर में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या की घटना से समस्त राज्य के पत्रकार आक्रोशित हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री से मांग करते हुए कहा है कि पत्रकार की कलम को रोकने का प्रयास प्रशासनिक स्तर पर ठेकेदार, भू माफिया, शराब माफिया अन्य माफियाओं द्वारा किया जा रहा है। बता दें की स्वतंत्र पत्रकार मुकेश चंद्राकर का शव सड़क घोटाले में आरोपी एक ठेकेदार के परिसर में सेप्टिक टैंक में मिला था, जिसका खुलासा मुकेश ने हाल ही में एनडीटीवी पर किया था, जहां वे बतौर योगदानकर्ता काम करते थे। यह घटना छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में हुई थी। वे पिछले कुछ दिनों से लापता थे। फरीदाबाद के पत्रकारों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

सूरजकुंड मेला हमारी सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय पटल तक पहुंचाने में निभा रहा है अहम भूमिका : कला रामचंद्रन

हरियाणा पर्यटन निगम की प्रधान सचिव कला रामचंद्रन ने सूरजकुंड मेले का लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक

सूरजकुंड परिसर में आगामी 7 से 23 फरवरी तक लगेगा अंतरराष्ट्रीय क्राफ्ट मेला

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। हरियाणा प्रदेश अपनी सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत को सहेजे है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा की पावन धरा पर लगने वाला सूरजकुंड मेला हमारी सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय पटल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह बात हरियाणा पर्यटन निगम की प्रधान सचिव कला रामचंद्रन ने कही। वे मंगलवार को 38 वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय क्राफ्ट मेले की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ राजहंस होटल सभागार में समीक्षात्मक बैठक ले रही थी। गौरतलब है कि फरीदाबाद जिला में स्थित सूरजकुंड परिसर में आगामी 7 से 23 फरवरी तक अंतरराष्ट्रीय क्राफ्ट मेले का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में हरियाणा पर्यटन निगम की प्रधान सचिव कला रामचंद्रन ने कहा कि यह हरियाणा प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर के मेले के आयोजन की जिम्मेवारी प्रभावी रूप से निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बार 38 वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय क्राफ्ट मेले में उड़ीसा व मध्यप्रदेश थीम स्टेट हैं और बिम्सटेक-बांग्लादेश, भूटान, इंडिया,म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका व थाईलैंड इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन हैं और नार्थ ईस्ट हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट एसोसिएशन मेले का कल्चरल पार्टनर है, साथ ही दिल्ली मेट्रो टिकटिंग पार्टनर रहेगा। उन्होंने बताया कि सूरजकुंड मेला पूर्ण रूप से डिजिटलाइज्ड रहेगा और मेले से जुड़े हर पहलू की जानकारी सूरजकुंडमेला डॉट कॉ डॉट इन पर उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में सूरजकुंड मेले को भव्य ढंग से मनाने के लिए सभी तैयारियां प्रभावी रूप से की जा रही हैं और 7 से 23 फरवरी के बीच मेले के दौरान जहां हरियाणवी संस्कृति का संप्रेषण अन्य राज्यों व बिम्सटेक देशों तक पहुंचेगा वहीं वहां की संस्कृति से भी रूबरू होने का अवसर हरियाणा वासियों को मिलेगा।

अधिकारियों के साथ बातचीत में प्रधान सचिव द्वारा विभागीय स्तर पर सभी अधिकारियों को मेले के संदर्भ में किए जाने वाले प्रबंधों बारे आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में आयोजित हो रहा यह सूरजकुंड मेला आज पूरे विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान कायम कर चुका है, ऐसे में हमें पूरी जिम्मेवारी के साथ मेले के सफल आयोजन में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी निर्धारित समयावधि में अपने विभाग से संबंधित सभी व्यापक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं।

इस अवसर पर फरीदाबाद मंडल आयुक्त संजय जून, हरियाणा पर्यटन निगम के एमडी सुनील कुमार, डीसीपी हेडक्वार्टर अभिषेक जोरवाल, डीसीपी जसलीन कौर, सूरजकुंड मेला प्राधिकरण के नोडल अधिकारी एवं एडीसी साहिल गुप्ता, एसडीएम अमित मान, शिखा, मयंक भारद्वाज, सीटीएम अंकित कुमार, पर्यटन निगम की ओर से मेला प्रबंधक यू.एस.भारद्वाज व एजीएम हरविंद्र यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

सिर्फ चिन्तन करके ही प्रभु के समीप आया जा सकता है : श्री राघवाचार्य जी महाराज

कथा स्थल पर धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। सेक्टर-10 तेरापंथ भवन में पंजाब अग्रवाल समाज (रजि0.) द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ कथा में कथा व्यास परम श्रद्धेय जगदगुरू रामानुजाचार्य परम पूज्य स्वामी डॉ. श्री राघवाचार्य जी महाराज(अयोध्या वाले) ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव,श्री राम अवतार के बारे में भक्तों को विस्तृत रूप से बताया। उन्होनें बताया कि भगवान श्रीकृष्ण की ख्याति सर्वाधिक है। यहां तक की बड़े बड़े देवता,ऋषि मुनि सभी उनके गुणों का बखान करते है। भगवान श्रीकृष्ण सभी कारणों के कारण है उनका कोई कारण नहीं है। सारी सृष्टियां उनकी ईच्छा मात्र से उत्पन्न तथा नष्ट होती है। श्री राघवाचार्य जी महाराज ने बताया कि भगवान किसी भी जीव चाहे दुष्ट हो या सज्जन हो को मारने के लिए अवतार नहीं लेते उनकी अवतार तो केवल धर्म की रक्षा के लिए होता है। उन्होनें बताया कि भगवान भक्तों के साथ लीला करते है ताकि भक्त उनके करीब आ सकें। उन्होनें बताया कि सिर्फ चिन्तन करके ही प्रभु के समीप आया जा सकता है। उन्होनें बताया कि भगवान राम का अवतार धर्म की स्थापना के लिए हुआ था। श्री राघवाचार्य जी महाराज ने बताया कि समाज का असभ्य प्राणी जब सज्जन व्यक्ति,भक्त को सताता है तब प्रभु किसी ना किसी रूप में प्रकट होकर

अपने भक्तों की रक्षा करते है। कथा में मुख्य रूप से पधारे बल्लभगढ़ विधायक पंडित मूलचन्द शर्मा ने परम श्रद्धेय जगदगुरू रामानुजाचार्य परम पूज्य स्वामी डॉ. श्री राघवाचार्य जी महाराज को फूलों की माला पहनाकर उनसे आर्शीवाद लेते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति और धर्म का एक अद्भुत प्रतीक हैं। श्रीकृष्ण हिन्दू धर्म में भगवान हैं। वे विष्णु के 8वें अवतार माने गए हैं। कन्हैया, माधव, श्याम, गोपाल, केशव, द्वारकेश या द्वारकाधीश, वासुदेव आदि नामों से भी उनको जाना जाता है। कृष्ण निष्काम कर्मयोगी, आदर्श दार्शनिक, स्थितप्रज्ञ एवं दैवी संपदाओं से सुसज्जित महान पुरुष थे।। इस मौके पर कथा स्थल पर श्रीकृष्ण के जन्म को दिखाया गया जिसमें बधाईयों के गान के साथ सभी भक्त झूम उठे। इस अवसर पर पंजाब अग्रवाल समाज के सरंक्षक शिव सरन गोयल, रुलदू राम गर्ग, पवन गर्ग अध्यक्ष रानित देव गुप्ता, उपाध्यक्ष अवतार मित्तल अमर बंसल छाडिया, विजय गुप्ता, महासचिव बनवारी लाल गर्ग, सचिव अनिल गर्ग, वित्त सचिव राजेन्द्र कुमार गर्ग,कोषाध्यक्ष राकेश सिंगला , सतीश गर्ग, अश्वनी गर्ग, श्री कृष्ण सिंगल, प्रेम पसरीचा, कैलाश शर्मा, दिनेश गोयनका, कालिदास गर्ग, जयपाल सिंगला, धर्मपाल गोयल, श्याम लाल गोयल, ऊषा रानी गर्ग, राकेश बंसल, नरेश बंसल, पवन बंसल, वरिंदर बंसल, गर्ग, अरुण आहूजा, संजीव अग्रवाल आदि भक्त उपस्थित थे।

अपनी शादी, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ की फोटो हमें भेजें।
नोट: मेल में नाम, पता और मोबाईल नंबर जरूर लिखें।
samachargate@gmail.com

प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

जानकारी

खूबसूरत त्वचा और बेदाग निखार के लिए हींग से बनाएं स्पेशल फेस पैक

त्वचा पर निखार लाने, दाग-धब्बों को दूर करने और मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए घर पर ही हींग से स्पेशल फेसपैक बना सकते हैं। हींग आयुर्वेदिक औषधि है और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है, इसलिए इससे बने फेस पैक आपकी त्वचा की हर समस्या को दूर कर देगी। हींग का प्रयोग आमतौर पर खाने का स्वाद और सुगंध बढ़ाने के लिए किया जाता है। मगर क्या आप जानते हैं कि हींग को आप त्वचा पर निखार लाने और त्वचा की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए भी कर सकते हैं? चेहरे की सामान्य समस्याएं जैसे- कील-मुंहासे, दाग-धब्बे, सन टैन, रूखापन, झाइयां, झुर्रियां आदि से छुटकारा पाने के लिए आप हींग के फेस पैक लगा सकते हैं। हींग से बना फेस पैक पूरी तरह नैचुरल होता है इसलिए ये बाजार में मिलने वाले फेस पैक से ज्यादा बेहतर और सुरक्षित होता है। इसके अलावा हींग में ढेर सारे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं, जो चेहरे की त्वचा के लिए अच्छे होते हैं। आइए आपको बताते हैं चेहरे की किस समस्या के लिए किस तरह बनाएं हींग का स्पेशल फेस पैक।

निखार पाने के लिए: रोजाना की धूल-मिट्टी और धूप के कारण आपका चेहरा चिपचिपा हो जाता है और चमक और निखार खो जाते हैं। इसे दोबारा पाने के लिए आप हींग से घर पर ही फेस पैक बना सकती हैं। इस फेस पैक को बनाने के लिए टमाटर को पीसकर एक बाउल में इसका पल्प निकाल लें और एक बाउल में रख लें। अब इस पल्प में 1/4 चम्मच हींग डालें और पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं। टमाटर में लाइकोपिन होता है और विटामिन सी अच्छी मात्रा में होता है। विटामिन सी त्वचा के लिए नैचुरल क्लींजर की तरह है इसलिए ये चेहरे की अच्छी तरह सफाई करता है और आपके चेहरे पर निखार लाता है।

झुर्रियां और झाइयां मिटाने के लिए: उम्र बढ़ने के साथ चेहरे पर झुर्रियां आना लाजमी है। मगर कई बार प्रदूषण और गलत खानपान के कारण चेहरे पर उम्र से पहले ही झुर्रियां आने लगती हैं। इन्हें रोकने के लिए भी आप हींग का फेस पैक बना सकते हैं। इस फेस पैक के लिए एक बाउल में 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें और इसमें आधा चम्मच हींग, 10 बूंग गुलाबजल और थोड़ा सा पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद सादे पानी से धो लें। सप्ताह में 2 बार के प्रयोग से आपकी झुर्रियां कम हो जाएंगी।

मुंहासों की समस्या में: हींग में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जिसके कारण ये मुंहासों और कील को आसानी से खत्म कर देता है। मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए आप एक बाउल में 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 10 बूंद गुलाबजल और आधा नींबू का रस लें। इसमें 1/4 चम्मच हींग डालें और अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने से चेहरे के पोर्स में जमा गंदगी बाहर निकल जाती है और त्वचा का अतिरिक्त तेल हट जाता है, जिससे मुंहासों की समस्या दूर हो जाती है।

रुखी त्वचा को दूर करने के लिए: चेहरे पर रुखेपन के कारण आपकी त्वचा का रंग, प्राकृतिक रंग से ज्यादा गहरा लगता है और त्वचा भी झुलसी हुई लगती है, जिससे आप दूर से ही थके हुए नजर आते हैं। रुखी त्वचा की समस्या दूर करने के लिए आप हींग से बने फेसपैक का प्रयोग कर सकते हैं। इसके लिए एक बाउल में 2 चम्मच दूध, 1 चम्मच शहद और आधा चम्मच हींग मिलाएं और इसका पेस्ट बनाकर 15 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। अब ठंडा हो जाने के बाद पेस्ट को चेहरे या अन्य अंगों पर लगाएं, जो आपको रुखे लगते हैं। इसके 15 मिनट चेहरे को पानी से धो लें, आपकी त्वचा चमक उठेगी और रूखापन दूर हो जाएगा।

क्यों खतरनाक है रीढ़ की हड्डी की चोट?

कैसे करें इससे बचाव ?

स्पाइनल कॉर्ड यानी रीढ़ की हड्डी में चोट का प्रभाव पूरे शरीर, खासकर हाथ-पांव पर पड़ता है। इसके कारण व्यक्ति जीवनभर के लिए विकलांग हो सकता है। रीढ़ की हड्डियां छोटे छोटे हिस्सों में विभाजित होने के कारण लचीली होती है। इसकी वजह से हम इंसान झुक पाते हैं। इतना ही नहीं स्पाइनल कॉर्ड नसों का एक ऐसा समूह होता है, जो दिमाग के संदेश को शरीर के अन्य अंगों तक पहुंचाता है।

चोट लगने के बाद कई बार आपके दैनिक कार्यों में आपको समस्या आ सकती है। रीढ़ की हड्डी की जिम्मेदारी बहुत बड़ी होती है, वो हर रोज आपके शरीर और दिमाग के बीच लाखों संदेशों का आदान-प्रदान करने का माध्यम बनती है। इसलिए लोगों में स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से संबंधित जानकारी फैलाना जरूरी है, ताकि इस इंजरी को रोका जा सके। आइए आपको बताते हैं कि क्या है स्पाइनल कॉर्ड इंजरी के प्रमुख कारण और कैसे कर सकते हैं इनसे बचाव?

हमारे लिए कितना जरूरी है स्पाइनल कॉर्ड ?

रीढ़ की हड्डी का ठीक रहना हमारे लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि उससे हमारा चलना-फिरना, उठना-बैठना सब कुछ जुड़ा हुआ होता है। इसी कारण, रीढ़ पर लगी चोट आपके लिए काफी नुकसानदायक साबित हो सकती है। रीढ़ की हड्डी की जिम्मेदारी बहुत बड़ी होती है, वो हर रोज आपके शरीर और दिमाग के बीच लाखों संदेशों का आदान-प्रदान करने का माध्यम बनती है। एक अनुमान के मुताबित हर साल लोगों को होने वाली रीढ़ की हड्डी की चोट में से 35प्रतिशत गाड़ियों के एक्सीडेंट्स से लगती है। वहीं, 65 साल की उम्र के बाद गिरने से भी रीढ़ की हड्डी की चोट सबसे ज्यादा लगती है।

स्पाइनल कॉर्ड में चोट लगने के कारण

रीढ़ की हड्डी में लगने वाली चोट के मामलों में 82प्रतिशत पुरुष होते हैं। एक्सपर्ट अभी तक ये मालूम नहीं लगा पाए हैं कि ऐसा क्यों होता है कि पुरुषों को रीढ़ की चोट लगने का जोखिम महिलाओं से अधिक होता है। रीढ़ की हड्डी में चोट के निम्न कारण प्रमुख हैं-

- रोड एक्सीडेंट
- गिरने के कारण चोट लगना
- खेल-कूद के दौरान चोट लगना
- लड़ाई-झगड़े या मार-पीट में रीढ़ की हड्डी पर चोट लगना
- अर्थराइटिस, ऑस्टियोपोरोसिस, टीबी और अन्य इंफेक्शन्स के कारण

बहुत लचीली होती है रीढ़ की हड्डी

मानव कंकाल द्वितरफा एक जैसा है और बीच में रीढ़ की हड्डियां है। रीढ़ की हड्डियां छोटे छोटे हिस्सों में विभाजित होने के कारण लचीली होती है। इसकी वजह से इंसान झुक पाते हैं। हमारी रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन को हम इस तरह से समझ सकते हैं कि ये दो तिहाई गोला बना सकती है। बच्चों की रीढ़ की हड्डी में 33 जोड़ होते हैं। जैसे-जैसे इंसान उम्र में बढ़े होते हैं तो उनके रीढ़ की हड्डी के जोड़ मिलकर एक होने लगते हैं। हमारा सैक्रम बनाने वाले पांच जोड़ बाद में जाकर एक हड्डी बन जाते हैं और मूलाधार जोड़ जो तीन से पांच हड्डियों से मिलकर बनता है वो भी बाद में जुड़ जाती हैं।

स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से बचाव

- कार ड्राइव करते समय हमेशा सीट बेल्ट का प्रयोग करें।
- दो पहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनें।
- शराब पीकर या नशे की स्थिति में गाड़ी न चलाएं।
- गाड़ी की स्पीड पर नियंत्रण रखें।
- घरों को भूकंप रोधी बनाएं।
- गंदे और कम पानी वाली जगह पर स्विमिंग न करें।
- मार-पीट और लड़ाई-झगड़े से दूर रहें।

सुझाव

सिर्फ त्वचा ही नहीं, मुंह में भी होता है सोरायसिस

जानें, क्या हैं इसके लक्षण?

आमतौर पर सोरायसिस को स्किन की समस्या माना जाता है, लेकिन सोरायसिस सिर्फ त्वचा पर ही नहीं, बल्कि आपके मुंह के अंदर भी हो सकता है। इसे ओरल सोरायसिस कहा जाता है।

ओरल सोरायसिस शब्द शायद कुछ लोगों के लिए बिल्कुल नया हो, क्योंकि ज्यादातर लोग सोरायसिस को एक त्वचा की समस्या के रूप में सोचते हैं, जो उन स्थानों पर दिखाई देती है, जो हर कोई देख सकता है, जैसे कि आपकी कोहनी, घुटने और खोपड़ी, लेकिन इस बीमारी के लक्षण उन जगहों पर हो सकते हैं, जिनकी आपको उम्मीद नहीं है, जैसे आपके मुंह के अंदर। मुंह के अंदर होने वाले सोरायसिस को ओरल सोरायसिस या मौखिक सोरायसिस कहा जाता है। यह एक गंभीर चिकित्सा समस्या नहीं है, लेकिन आपके लिए यह काफी असुविधाजनक हो सकता है। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

पहचानें लक्षण

ओरल सोरायसिस को पहचानना थोड़ा कठिन हो सकता है, क्योंकि इसके लक्षण अक्सर हल्के होते हैं और यह जितना जल्दी आते हैं, उतनी ही तेजी से गायब भी हो जाते हैं। हालांकि इसके लक्षण मुंह के अंदर कहीं पर भी दिखाई दे सकते हैं। गालों के अंदर इसके लक्षण सबसे आम है। इसके अतिरिक्त घाव होने, मसूड़ों पर त्वचा छीलना, मवाद के साथ फफोले, दर्द या जलन का अहसास खासकर मसालेदार भोजन खाते समय एवं चीजों में स्वाद का बदलना आदि भी ओरल सोरायसिस के लक्षण ही हैं। जिन लोगों को मौखिक सोरायसिस होता है, उनकी त्वचा पर भी इसके लक्षण दिखाई देते हैं। आपके मुंह के लक्षण आपकी त्वचा पर लक्षणों के साथ-साथ बेहतर या बदतर हो जाएंगे।

उपचार

मौखिक सोरायसिस की स्थिति में अधिकतर लोगों को उपचार की आवश्यकता नहीं होती है, क्योंकि वे इससे परेशान नहीं होते हैं, लेकिन अगर आपको इसके कारण दर्द होता है तो आप कुछ आसान उपचार कर सकते हैं, जैसे-

- गुनगुने पानी और नमक के मिश्रण से कुल्ला करें।
- वहीं जब आपको इसके लक्षण नजर आएं तो मसालेदार भोजन न करें।
- यदि आप धूम्रपान करते हैं तो आज ही उसे बंद करें।
- अगर घरेलू उपचारों से राहत न मिले तो आप अपने डॉक्टर से बात करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3405

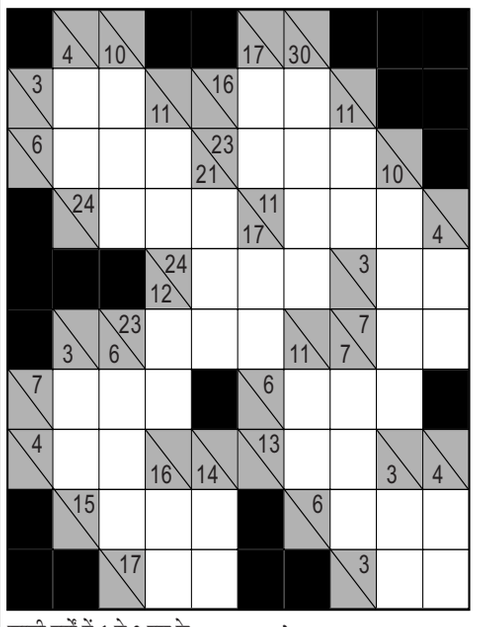

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

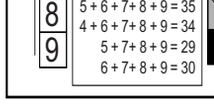

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3404 का हल

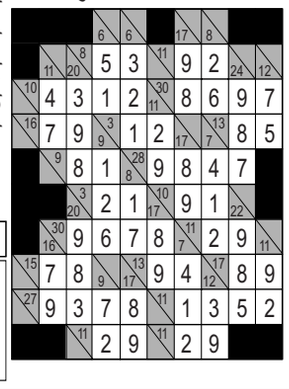

लॉफिंग ज़ोन

रमन अपने दोस्त नरेश से बोला- क्या बात है, आजकल तुम्हारी प्रेमिका अक्सर चुप-चुप ही रहती है? तुमने उसे डाँटा क्या?

नरेश- नहीं यार! मेरी क्या मजाल है जो मैं उस डाँट सकूँ। दरअसल हुआ यूँ कि एक दिन हम दोनों फोटो खिंचवा रहे थे, तो फोटोग्राफर ने मेरी प्रेमिका से कहा 'जब आप चुप रहती हैं, तो एकदम कैटरीना की तरह दिखती है।'

□ □ □

एक भीड़ भरी खचाखच बस में एक युवती को जोर से धक्का लगा। युवती झल्लाई और पीछे खड़े युवक को चिल्ला कर बोली, जान वर हो क्या?

युवक ने रोमांटिक अंदाज में जवाब दिया- जान तो आप हैं, मैं तो बस आपका ही वर हूँ।

□ □ □

एक बार स्वीमिंग पुल के किनारे कपड़े रखे थे और वहाँ एक कागज का पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मेरे कपड़े मत चुराना- बॉक्सिंग चैंपियन रमन।

जब वह तैर कर बाहर निकला, तो देखा वहाँ से उसके कपड़े गायब थे और एक पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मुझे पकड़ने की कोशिश मत करना- मैराथन चैंपियन चमन।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3405

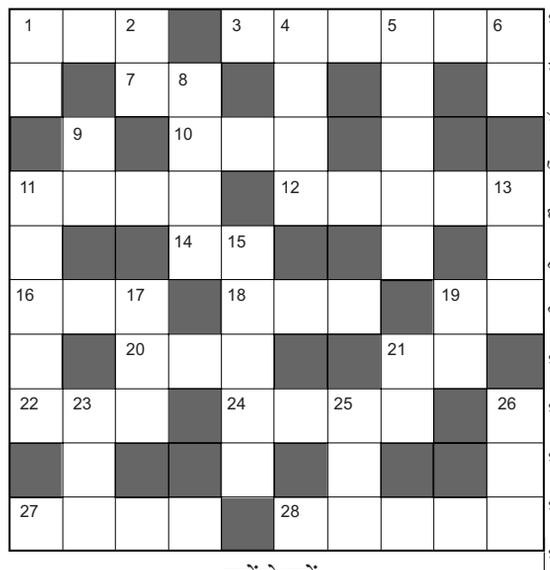

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

फिल्म वर्ग पहेली- 3404

दे	व	■	प्रे	म	क	ह्म	नी	■	जी
व	■	तु	म	■	सू	■	तू	फ्म	न
ता	ल	■	पु	का	र	■	सिं	■	त
■	क्ष्य	■	जा	■	■	तो	ह	फ्म	■
नी	■	मे	री	जं	ग	■	■	गु	स
क	बी	ला	■	ग	■	प्या	■	न	■
री	■	■	सो	ल	वां	सा	ल	■	दा
■	जु	ग	नू	■	टे	■	व	ही	दा
ध	र्मा	■	■	■	ड	■	स्टे	■	गि
■	ना	जा	य	ज	■	चो	री	चो	री

सूडोकु -3405

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3404 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्द पहेली - 3405

बाएँ से दाएँ

1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा,रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी,कमला-2
13. ध्वनिहीनता,शांति-4
14. देवता,देव-2
16. प्रणाम,नमस्कार-3
18. रुधिरहीन,कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला,ईश्वर-5
24. प्रेम,चाहना-3
26. वन,अरण्य,जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल,मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छापा,सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह,प्रातःकाल-2
37. जोकर,विदूषक-4
38. संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1. इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2. उदारता,बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर,निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट,खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म,दुष्कर्म-4
20. गाड़ी,यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार,व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्झरणशील-4
31. ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा,आनंद-2
36. भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली -3404 का हल

अ	स	ह	नी	य	■	■	क	लि	का	■
प	र	■	ला	■	सा	ग	र	■	बु	आ
ह	■	■	प	ह	रा	■	ण	■	■	खे
र	स	खा	न	■	■	म	■	क	प	ट
ण	■	लि	■	न	भ	च	र	■	रा	■
■	आ	स	■	सी	■	ल	■	ग	स्त	■
■	रा	■	प	ह	न	ना	■	रु	■	ड
शा	म	त	■	त	■	■	ता	र	ता	र
य	■	■	तै	■	जा	हि	र	■	■	ल
द	म	■	र	सी	ला	■	पी	■	ज	ग
■	न	गी	ना	■	■	म	न	भ	र	ना

नूंह पंचायत समिति के वॉइस चेयरमैन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पास, 23 सदस्यों ने विपक्ष में डाले वोट

नूंह में पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन कौशल सिंह की गई कुर्सी

नूंह में कड़ाके की ठंड के दौरान देखने को मिल रही है राजनीतिक गर्माहट

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। नूंह पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन कौशल सिंह के खिलाफ मंगलवार को पंचायत समिति के सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव पास कर उनकी कुर्सी को खतरे में डाल दिया है। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नूंह के कार्यालय में मंगलवार को पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन कौशल सिंह के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर पंचायत समिति सदस्यों ने वोटिंग की।

इस दौरान जहां जिले के अतिरिक्त उपायुक्त आईएएस प्रदीप सिंह मलिक मौजूद रहे, वही बीडीपीओ और सिटी थाना प्रभारी दलबल के साथ मौके पर

मौजूद रहे। अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने बताया कि प्रशासन के पास पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। जिसको लेकर मंगलवार को वोटिंग कराई गई। वोटिंग के दौरान 30 में से 23 सदस्य उपस्थित रहे। जिन्होंने कौशल सिंह खिलाफ वोट डाले और अविश्वास प्रस्ताव पास हो गया।

उन्होंने कहा कि अब आगामी कार्रवाई को अंजाम दिया जाएगा और पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन के लिए जल्द ही चुनाव कराया जाएगा। इस दौरान उपस्थित पंचायत समिति के सदस्यों ने कहा कि अविश्वास के दौरान 23 सदस्यों ने वाइस चेयरमैन के खिलाफ वोट किया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही 23 सदस्यों में से कोई भी नया वाइस चेयरमैन चुन लिया जाएगा और जिला प्रशासन वाइस चेयरमैन के लिए जब भी वोटिंग कराएगा तो वह इसके लिए पूरी तरह से तैयार है।

नूंह पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन की कुर्सी जाने से भाजपा को लगा झटका

आपको बता दें कि पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन कौशल सिंह बीजेपी के समर्थक हैं और उनको पूर्व मंत्री संजय सिंह का करीबी माना जाता है। अब देखना यह है कि कब तक नया वाइस चेयरमैन पंचायत समिति नूंह में चुना जाता है और इसमें कांग्रेस अपना वाइस चेयरमैन बनाती है या भाजपा इसके लिए दोनों की अब यह कुर्सी बचाने के लिए राजनीतिक लड़ाई बन गई है। लेकिन इस लड़ाई में कांग्रेस या बीजेपी कौन इस कुर्सी पर काबिज होता है यह तो वक्त ही बताएगा। लेकिन अब कौशल सिंह की कुर्सी जाने के बाद अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। वही नूंह में कड़ाके की ठंड के दौरान राजनीतिक गर्माहट देखने को मिल रही है, अब आगे देखना है कि कब तक जिला प्रशासन पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन के चुनाव की घोषणा करता है और फिर भाजपा या कांग्रेस कौन अपना वाइस चेयरमैन बनाकर अपनी कुर्सी बचा पाती है।

समर्पित नागरिक उन्नत देश की नींव का पत्थर होते हैं, समर्पित नागरिकों से ही देश तरक्की करता है : अशरफ अली

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। समर्पित नागरिक उन्नत देश की नींव का पत्थर होते हैं, समर्पित नागरिकों से ही देश तरक्की करता है। उक्त कथन राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला कोऑर्डिनेटर अशरफ अली ने पीएम श्री स्कूल पाटखोरी में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के समापन पर वॉलेंटियर्स को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि एन एस एस देश को समर्पित नागरिक देना चाहता है प्रधानाचार्य परवीन सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना में शामिल होकर विद्यार्थी देश के प्रति प्रेम और सेवा भावना की गुण विकसित कर सकते हैं। विद्यार्थी जीवन से ही एक नागरिक के अंदर अच्छे गुण विकसित होता है यही राष्ट्रीय सेवा योजना का मकसद है। उन्होंने कहा कि एनएसएस के साथ दिवसीय शिविर में जो भी कुछ विद्यार्थियों ने सीखा है इसका असर व्यक्तिगत जिंदगी में भी दिखाई देना चाहिए । इस अवसर पर गौशाला समिति के उप प्रधान नरेश गर्ग ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हो कहा कि बच्चों

की सेवा भावना को देखकर उनको अपना बचपन याद आ गया वह भी विद्यार्थी जीवन से ही राष्ट्रीय सेवा योजना और स्काउट के विद्यार्थी रहे थे। खेलो में उनकी बचपन से व्यक्तिगत रुचि रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि खुद को देश के प्रति समर्पित रखें और हक बात करने से कभी न झिझकें। मोहम्मद शाहिद प्रवक्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें समर्पित और अनुशासित रहने का पाठ पढ़ाया। पीएम श्री स्कूल के मीडिया कॉर्डिनेटर और प्रवक्ता नाजिम आजाद ने बताया कि स्कूल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर कार्य कर रहा है, पीएम श्री स्कूल पाटखोरी में तीनों संकायों में पढ़ाई होती है और सीबीएसई और अंग्रेजी माध्यम का स्कूल भविष्य में इलाके के लिए अच्छे अधिकारी और नागरिक देगा। एनएसएस के कोऑर्डिनेटर पदम सिंह ने 6 दिनों में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दें सभी विजेता छात्रों को मोमेंटो और सर्टिफिकेट लेकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ के अलावा दर्जनों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सीजेएम नेहा गुप्ता ने नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का किया निरीक्षण

डाक्टर्स को दिए निर्देश, इलाज करवा रहे व्यक्तियों को जरूरी परामर्श व इलाज की बेहतर सेवाओं का लाभ दिया जाए

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष व जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशील कुमार के निर्देशानुसार प्राधिकरण की सचिव व सीजेएम नेहा गुप्ता ने सिविल अस्पताल मांडी खेड़ा, जिला नूंह में स्थित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में इलाज करवा रहे मरीजों का हालचाल जाना और नशा छोड़ने की पहल करने पर उनके हौसले की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस केंद्र में जो लोग नशा छोड़ने के लिए इलाज करवा रहे हैं, यह उनका जीवन व परिवार के प्रति सकारात्मक प्रयास है। अगर व्यक्ति मन में ठान ले कि उसे नशे जैसी लत से छुटकारा पाकर जीवन की हर परिस्थिति में

आगे बढ़ना है तो वह थोड़े से प्रयास और इलाज से नशे की लत से बच सकता है। सीजेएम ने इस अवसर पर पीड़ित व्यक्ति से मुलाकात कर उसकी काउंसलिंग की और उसे नशीली दवाओं के सेवन के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने डाक्टर्स को निर्देश दिए कि नशे की लत छोड़ने के लिए इलाज करवा रहे व्यक्तियों को आवश्यक परामर्श एवं मार्गदर्शन तथा चिकित्सा सेवाओं इत्यादि का लाभ बिना किसी अवरोध के प्रदान किया जाए और किसी तरह के परामर्श या अन्य सहायता की जरूरत है तो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अवगत कराया जाए, जिससे समय पर पीड़ितों को इलाज की बेहतर सुविधाएं मिल सकें। नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र की प्रभारी डा. ईशा ने बताया कि जिला नूंह का एक व्यक्ति अपनी नशे की लत की स्थिति में सुधार के लिए यहां पर इलाज करा रहा है। इस केंद्र के माध्यम से उसे उचित काउंसलिंग व दवाइयां दी जा रही हैं।

गांवों में रात्रि ठहराव कार्यक्रम किए जाएंगे आयोजित : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा

प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक सभी कार्यदिवसों में आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर

मंगलवार को उपायुक्त ने पुन्हाना में सुनी लोगों की शिकायतें

बैठक में राजस्व विभाग के कामों की भी समीक्षा की

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार आगामी दिनों में लोगों की समस्याओं का समाधान उनके घर-द्वार पर ही करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से गांवों में रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा जिला व उपमंडल स्तर पर प्रात: 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक निरंतर सभी कार्यदिवसों में समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। वे स्वयं भी महीने में एक बार उपमंडल स्तर पर लोगों की समस्याएं सुनने के लिए उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनेंगे, ताकि लोगों को अपने समस्या लेकर सर्दी जैसे खराब मौसम में चलकर जिला मुख्यालय नूंह न जाना पड़े।

उपायुक्त मंगलवार को उपमंडल पुन्हाना में लोगों की शिकायतें सुनने

व राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक लेने के बाद स्थानीय पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों को सुनकर उनका त्वरित व उचित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। शिकायत को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही के लिए भेजा जाता है तथा बाद में उस शिकायत का फालोअप किया जाता है। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में वे कल बुधवार 8 जनवरी को नूंह तथा वीरवार 9 जनवरी को फिरोजपुर झिरका उपमंडल में लोगों की शिकायतें सुनेंगे। इन तिथियों में अधिक से अधिक लोग अपनी जायज शिकायतों का समाधान करवाने के लिए उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में पहुंच सकते हैं। सभी शिकायतों पर गंभीरता से विचार कर उनका उचित समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंगलवार को जिला व उपमंडल स्तर पर आयोजित सभी समाधान शिविरों में कुल 33 शिकायतें आई हैं, जिनमें पुन्हाना में 25, नूंह में सात, तावडू में एक शिकायत प्राप्त हुई। तावडू उपमंडल पर आई एक शिकायत का तुरंत समाधान भी सुनिश्चित किया गया। उन्होंने बताया कि शिविर में जो शिकायतें पहुंच रहीं हैं, उनमें पानी निकासी, परिवार पहचान पत्र, गली-नाली के निर्माण से संबंधित थी। इन सभी शिकायतों का समाधान सुनिश्चित करने के लिए इन्हें संबंधित विभागों में भेजा गया है, जहां पर इन शिकायतों पर उचित व यथासंभव कार्यवाही की जाएगी। संबंधित विभागों को पहले ही समाधान शिविर संबंधी शिकायतों पर उचित कार्यवाही करने संबंधी निर्देश दिए जा चुके हैं।

राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

उपायुक्त ने समाधान शिविर के बाद राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक में विभाग से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मुटेशन से संबंधित लंबित मामलों का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने विभाग से संबंधित समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली और कहा कि उपलब्ध रिसोर्स के माध्यम से सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा, जहां पर मैनपावर की कमी है, उसे दूर किया जाएगा। आगामी दिनों में सभी समस्याओं का हल सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बैठक में पेडिंग कार्यों को जल्द पूरा करवाने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर उनके साथ उपमंडल अधिकारी (ना.) पुन्हाना संजय कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कविता- त्रिमूर्ति

कविता रचयिता- डॉ अशोक कुमार वर्मा

किसी किसी के भाग्य में होती है सेवा।
किसी किसी को मिलती है यह समझ।
कोई- कोई विरला ही कमाता है पुण्य।
कोई- कोई कराता है भूखे को भोजन।

किसी किसी के भाग्य में होता है रंग खाकी।
किसी किसी की प्रकृति में होती है यह लग्न।
कोई- कोई ही बनता है सच्चा सुरक्षा प्रहरी।
कोई- कोई ही निभा पाता है अपना कर्तव्य।

किसी किसी के भाग्य में होते हैं सुकर्म।
किसी किसी को मिलते हैं ऐसे संस्कार।
कोई- कोई है जो हो नि:स्वार्थ सहयोगी।
कोई- कोई करता, तन-मन-धन अर्पण।

कौन है जिसको मिलता है तीनों का संगम।
कौन है गौरव और मान-सम्मान का सुपात्र।
वो खाकी है जिसको स्वयं चुनती है नियति।
सेवा सुरक्षा और सहयोग की है वो त्रिमूर्ति।

मित्रों ! गर्व करो तुम बन गए हो एक नायक।
खाकी देह एवं सत्यमेव जयते है मस्तक पर।
नहीं मिलता सबको यह सौभाग्य एवं अवसर।
बहुतों को देखा है तरसते इसके लिए अक्सर।

(कविता के रचयिता डॉ अशोक कुमार वर्मा पुलिस में सेवारत हैं)

चुनाव अधिकारी बिजेंद्र नेहरा ने किया मुजेसर मंडल की कार्यशाला का आयोजन

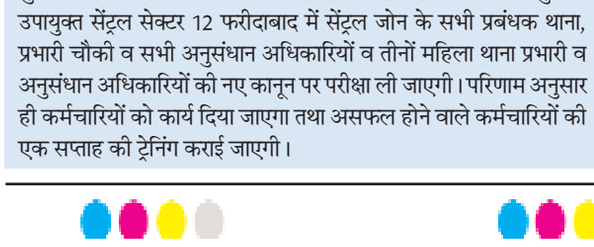

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। संगठन पर्व चुनाव अधिकारी कार्यशाला मुजेसर मंडल के तहत भारतीय जनता पार्टी द्वारा विधानसभा की बैठक लेने की ड्यूटी लगाने पर संगठन पर्व के तहत चुनावों को लेकर बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडलों की मंडल अनुसार अलग-अलग बैठक लेकर प्रदेश द्वारा तय करणीय कार्यो की जानकारी सभी पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को दी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं बल्लभगढ़ के लोकप्रिय विधायक मूलचन्द शर्मा जी के बड़े भाई टिपरचंद शर्मा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता साथ में उपस्थित रहे।

पुलिस कर्मचारियों की होगी परीक्षा नए कानूनों के संबंध में परिणाम अनुसार ही दिया जाएगा कार्य

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। 1 जुलाई 2024 से 3 नए कानून लागू हो चुके हैं, जिनके संबंध में पुलिस कर्मचारियों का प्रशिक्षण भी कराया जा चुका है, पुलिस उपायुक्त सेंट्रल उषा के दिशा निर्देश पर सेंट्रल जोन के सभी प्रबंधक थाना, प्रभारी चौकी व सभी अनुसंधान अधिकारियों की नए कानून पर परीक्षा ली जाएगी। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हैं बतलाया कि सहायक पुलिस आयुक्त ओल्ड विनोद कुमार के सुपरविजन में 9 जनवरी को समय 10:00 बजे से 12:00 तक कार्यालय पुलिस उपायुक्त सेंट्रल सेक्टर 12 फरीदाबाद में सेंट्रल जोन के सभी प्रबंधक थाना, प्रभारी चौकी व सभी अनुसंधान अधिकारियों व तीनों महिला थाना प्रभारी व अनुसंधान अधिकारियों की नए कानून पर परीक्षा ली जाएगी। परिणाम अनुसार ही कर्मचारियों को कार्य दिया जाएगा तथा असफल होने वाले कर्मचारियों की एक सप्ताह की ट्रेनिंग कराई जाएगी।

गर्म चाय गिरने से झुलसी बच्ची, अस्पताल में हो गई मौत

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। आरोप बच्ची के पिता ने निजी अस्पताल पर लगाया है कि फरीदाबाद के एक निजी अस्पताल में नौ महीने की बच्ची की डाक्टरों की लापरवाही से मौत हो गई। दयालपुर के रहने वाले अर्जुन के अनुसार उनकी नौ महीने की बेटी वाकर से 30 दिसंबर को घर में खेल रही थी। बेटी वाकर को चला कर किचन तक पहुंच गई। जहां पर चाय बन रही थी। चाय बच्ची के ऊपर गिर गई। इसके चलते चाय से बच्ची के पांव बुरी तरह जल गए।

इसके बाद उसे पास के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर उनकी बेटी का डॉक्टर ने इलाज शुरू किया। इलाज करने वाले डॉक्टर कमल, सिद्दीकी और जीके शर्मा सहित अन्य डॉक्टर स्टाफ उनकी बच्ची के इलाज में 30 दिसंबर से लगे हुए थे, लेकिन लगातार उनकी बेटी की तबीयत बिगड़ रही थी और डॉक्टर उन्हें झूठी तसल्ली दे रहे थे।

अर्जुन ने बताया कि उसने बार-बार डॉक्टर से बेटी को डिस्चार्ज करने और किसी अन्य अस्पताल में भेजने के लिए कहा, लेकिन डॉक्टर उन्हें यह आश्वासन देते रहे कि आप बेफिक्र रहें, आपकी बेटी सही है। जल्दी ठीक हो जाएगी। लेकिन सोमवार सुबह उनकी बेटी की तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। इसके बाद उनकी बेटी को बिना

पूछे आईसीयू में भेज दिया। जब उन्होंने अपनी बेटी की तबीयत के बारे में पूछा तो डॉक्टर कमल और सिद्दीकी ने कहा आप घबराइए नहीं आपकी बेटी ठीक हो जाएगी।

अर्जुन ने बताया कि डॉक्टर ने एक लाख जमा कराने की बात कही। इसके चलते उन्होंने अपनी बेटी को डिस्चार्ज करने की डॉक्टर से जिद की। डॉक्टर कमल और सिद्दीकी ने कहा कि आप एक लाख रुपये जमा कर दीजिए। इसके बाद उसने जबरदस्ती बेटी को निकाला। यहां से वह सर्वोदय अस्पताल ले गए। अस्पताल के डॉक्टरों ने दाखिल करने से मना कर दिया। वह ग्रेटर फरीदाबाद स्थित अमृता अस्पताल लेकर गए, जहां पर उनकी बेटी ने दम तोड़ दिया।

थाना आदर्श नगर प्रभारी हरिकिशन का कहना है कि बच्ची का पोस्टमार्टम करा दिया है और पिता अर्जुन की शिकायत पर तीनों डॉक्टर के खिलाफ लापरवाही के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वतन को जानो 5वां कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम आज से

जिला में युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत आज पधारेंगे कश्मीरी नौजवान

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वतन को जानो पांचवे कश्मीरी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का आयोजन बुधवार 8 जनवरी से 13 जनवरी तक सतयुग दर्शन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, भुपानी में किया जाएगा जाएगा। यह जानकारी नेहरू युवा केन्द्र की जिला युवा अधिकारी प्रियंका मलिक ने दी।

प्रियंका ने बताया कि माय भारत नेहरू युवा केंद्र युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा गृह मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से अयोजित पांचवे कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत फ़रीदाबाद में कश्मीरी युवाओं का दल 8 से 13 जनवरी तक रहेगा। कश्मीर के 6 जिलों श्रीनगर, बड़गांव, अनंतनाग, पुलवामा, कुपवाड़ा और बारामूला के 132 प्रतिभागी फ़रीदाबाद पहुंच रहे हैं। 18 से 22 आयु वर्ग के युवा इसमें शामिल होंगे। इनमें 120 संभागी एवं दो- दो टीम लीडर हैं। इस दौरान फ़रीदाबाद एवं हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत एवं खानपान ,रहन-सहन को समझने और कश्मीरी संस्कृति के संबंध में युवाओं से चर्चा परिचर्चा की जाएगी। एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में कश्मीरी युवाओं के अनुभव साझा करना और उनके विकास के लिए विशेष सशक्तीकरण और राष्ट्रीय निर्माण में भाग लेने के लिए आगे बढ़ना का रास्ता जैसे विषय पर सत्र आयोजित किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त उद्यमिता, कौशल विकास और कैरियर मार्गदर्शन पर सत्र आयोजित होंगे। कार्यक्रम का आयोजन एवं प्रतिभागियो की भोजन और आवासीय व्यवस्था सतयुग दर्शन ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, भूपानी में सुनीश्चित की गई है। यह कार्यक्रम 6 दिन तक चलेगा। इसमें चार दिन सतयुग दर्शन कॉलेज में कार्यक्रम होंगे दो दिन फरीदाबाद एवं दिल्ली के विविध पर्यटन स्थलों का भ्रमण भी करवाया जाएगा। साथ ही अमूल बनास इंडस्ट्री में भ्रमण भी कराया जाएगा। कार्यक्रम की रूपरेखा अनुसार युवाओं को हरियाणा की कला संस्कृति का परिचय देना प्रमुख उद्देश्य है। सांस्कृतिक आदान-प्रदान सत्र में पुलवामा कुपवाड़ा ,बारामुला, बडगाम ,श्रीनगर एवं अनंतनाग के

संपादकीय

गरीबों को मुंह चिढ़ाती नेताओं की बढ़ती सम्पत्ति

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

भारत में 12.9 करोड़ लोगों को एक वक्त का खाना भी ठीक तरह से मयस्सर नहीं होता और नेताओं की सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती सम्पतति इनकी गरीबी का उपहास उड़ा रही है। इस पर भी तुर्रा यह है कि देश के नेता आम जनता के लिए काम करते हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। उनके पास 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपतति है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू दूसरे नंबर पर हैं। उनके पास 332 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपतति है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तीसरे नंबर पर हैं। उनके पास 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपतति है। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में किया गया है। देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपतति 1,630 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपतति 52.59 करोड़ रुपये है। भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपये थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत स्व-आय 13,64,310 रुपये है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपये की संपतति के साथ सबसे कम संपतति वाली मुख्यमंत्री हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 55 लाख रुपये की संपतति के साथ सूची में दूसरे सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन 1.18 करोड़ रुपये की संपतति के साथ तीसरे सबसे कम संपतति वाले मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्रियों की इस सम्पतति का खुलासा चुनाव आयोग में दिए गए सम्पतति के ब्यौरे से हुआ है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग के पास ऐसा कोई तरीका नहीं है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि जो जानकारी दी है, वह सही या कुछ छिपाया गया है। दरअसल देश के नेता चुनाव आयोग को वही जानकारी देते हैं, जिसे वे आयकर रिटर्न में भरते हैं। देश में आयकर रिटर्न भरने वाले भी आयकर और प्रवर्तन निदेशालय के जाल में फंसते रहे हैं। सिर्फ रिटर्न फाइल कर लेने मात्र से किसी की सम्पतति या आय दूध की धुली नहीं हो जाती। यदि ऐसा ही होता तो देश के सैकड़ों नेता ईडी, सीबीआई और आयकर के लपेटे में नहीं आते। हालांकि इनके जाल में फंसने के बाद नेता यही राग अलापते रहे हैं कि विपक्ष में होने के कारण उन्हें जानबूझ कर फंसाया गया है।

विपक्षी दलों के दिग्गज नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर भी सवाल उठते रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्तारुढ भाजपा और उसके सहयोगियों में सभी ईमानदार हैं। चन्द्रबाबू नायडू और नीतिश कुमार के समर्थन से बहुमत में केंद्र की भाजपा सरकार में क्या इतना साहस है कि इनके दलों के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर कोई कार्रवाई कर सके। क्या यह संभव है कि इन दोनों दलों के नेताओं के भ्रष्टाचार की जानकारी केंद्रीय जांच एजेंसियों को नहीं हो।

यही वजह है कि जांच एजेंसियों पर दुर्भावना से कार्रवाई करने के आरोप लगते रहे हैं। विपक्षी दलों का यह भी आरोप है कि जिन विपक्षी नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया, उनके मामले रफा-दफा कर दिए गए। 2014 से 2022 तक ईडी के निशाने पर रहे क़रीब 95 फ़ीसदी यानी 115 नेता विपक्ष से थे। हालांकि ये आंकड़े 2022 तक के ही हैं। इसके बाद 2023 में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए थे और इस दौरान विपक्षी दलों ने अलग-अलग राज्यों पर हुई ईडी, सीबीआई की छापेमारी को राजनीति से प्रेरित बताया था। वर्ष 2004-14 में 26 नेताओं से ईडी ने पूछताछ की थी। इनमें क़रीब 54 फ़ीसदी यानी 14 नेता विपक्ष से थे। यह संभव है कि मुख्यमंत्रियों और दूसरे नेताओं ने सम्पतति व्यवसायों के जरिए अर्जित की हो, या फिर पुश्तैनी हो। इसके बावजूद इतनी भारी सम्पतति होना देश में गरीबी की जीवन रेखा से नीचे रहने वालों को मुंह तो चिढ़ाती है। जबकि नेता आम लोगों के प्रतिनिधित्व का दावा करते हैं। वर्ष 2023 बहुआयामी गरीबी सूचकांक रिपोर्ट में पाया गया है कि दुनिया के सभी गरीब लोगों में से एक तिहाई से अधिक दक्षिण एशिया में रहते हैं- जो लगभग 12.9 करोड़ लोग हैं। भारत इस संख्या में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जो अत्यधिक गरीबी में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। विश्व बैंक अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा के आधार पर गरीबी को परिभाषित करता है, जिसके अनुसार प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2.15 डॉलर की दर से अत्यधिक गरीबी तय की जाती है, जबकि 3.65 डॉलर निम्न-मध्यम आय श्रेणी में आता है, तथा 6.85 डॉलर उच्च-मध्यम आय श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है। वैश्विक निर्धारित गरीबी रेखा 3.65 डॉलर प्रति व्यक्ति है।

भारत का योगदान वैश्विक गरीबी दर में मामूली वृद्धि के 40 प्रतिशत के बराबर है, जो 23.6 प्रतिशत से बढ़कर 24.1 प्रतिशत हो गई है। भारत में गरीबी दर मिटाने के मामले में केरल सबसे आगे है। केरल में सिर्फ़ 0.71 प्रतिशत आबादी गरीब है। वहीं, बिहार, झारखंड, और उत्तर प्रदेश में गरीबी दर सबसे जूयादा है। बिहार में 51.91 प्रतिशत, झारखंड में 42.16 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 37.79 प्रतिशत आबादी गरीबी में रहती है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2024 के मुताबिक, भारत को 127 देशों में 105वां स्थान मिला। भारत, अपने पड़ोसी देशों श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार, और बांग्लादेश से भी पीछे है। भारत में भुखमरी की वजह से अक्सर मौत भी हो जाती है। भुखमरी के कारण बच्चों और वयस्कों में कुपोषण, बौनापन, और दुर्बलता हो सकती है। भुखमरी सिर्फ़ भोजन तक सीमित नहीं है, यह सरकार की ज़रूरतमंद लोगों की मदद करने में विफलता को दर्शाता है। भारत में भुखमरी की समस्या मुख्य रूप से बिहार, मध्य प्रदेश, असम, राजस्थान, और उत्तर प्रदेश में है। इन राज्यों में से, बिहार और उत्तर प्रदेश में भारत की कुल भूखी आबादी का एक तिहाई हिस्सा है।

भारत में भ्रष्टाचार का आलम यह है कि देश का एक भी राज्य ऐसा नहीं है, जिसके विभाग को सौ प्रतिशत भ्रष्टाचार से मुक्त कहा जा सकता है। राज्यों में चाहे किसी भी दल की सरकारें हों, हर पार्टी सत्ता में आने के बाद यही दावा करती है कि भ्रष्टाचार को जड़मूल से मिटाया जाएगा। सत्ता में आते ही यह वादा हवा हो जाता है। जब कभी कोई भ्रष्ट कार्मिक पकड़ा जाता है, तब सरकार यही दावा करती है कि किसी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा, किन्तु यह दावा कभी नहीं करती कि जिस विभाग का आरोपी पकड़ा गया है, वह विभाग अब पूरी तरह से भ्रष्टाचार से मुक्त हो चुका है।

देश में भ्रष्टाचार, गरीबी और भुखमरी के बीच नेताओं की बढ़ती हुई सम्पतति में बेशक सीधा कोई संबंध न हो किन्तु सवाल तो उठना लाजिमी है। यक्ष प्रश्न यही है कि करोड़ों की आबादी के पास दो वक्त का खाना नहीं है तो नेताओं की सम्पतति आखिर कैसे बढ़ रही है। ऐसे नेताओं की भी कमी नहीं है, जिनके आर्थिक हैसीयत राजनीति में आने से पहले आम लोगों जैसी थी, किन्तु जनप्रतिनिधि और मंत्री बनते ही उनकी सम्पतति में उछाल आ गया। देश में जब तक गरीबी, बेरोजगारी और भुखमरी जैसी समस्याएं रहेंगी तब तक नेताओं की सम्पतति देशहित के दावों की धज्जियां उड़ाती रहेंगी।

मारपीट करने के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बिजली कर्मचारियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। बिजली चोरी पकडने गई टीम के साथ मारपीट करने के आरोपियों की गिरफतारी की मांग को लेकर बिजली कर्मचारियों ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन कर एसडीएम जितेंद्र कुमार अहलावत को ज्ञापन सौंपा। दिए गए ज्ञापन में बिजली कर्मचारियों ने कहा कि निगम कर्मचारियों की 7 सद्सीय टीम बीती 16 दिसंबर को कनीना खंड के गांव मोडी स्थित टोलवा की ढाणी में छापा मारने गई थी। टीम ने जैसे ही अपनी कार्रवाई शुरू की वैसे ही ग्रामीणों ने उन पर हमला बोल दिया। मारपीट में कर्मचारी घायल हो गए। घायलों को उप नागरिक अस्पताल कनीना में दाखिल करवाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर उन्हें हायर सेंटर रैफर कर दिया था। कनीना सदर थाना पुलिस ने बिजली निगम के एसडीओ उमेश वर्मा द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर एक आरोपी नरेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उनका आरोप है कि 4 अन्य आरोपी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर बिजली कर्मचारी 2 जनवरी से निगम के एसडीओ कार्यालय के सामने धरना दे रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती तब तक उनका धरना जारी रहेगा। इस मौके पर महावीर पहलवान, रामरतन शर्मा जेई, शिवकुमार, सजन सिंह, राजेंद्र सिंह, हवासिंह, आनंद सिंह, शंकर लाल, आनंद सिंह, राकेश, संदीप, अजीत, संजय, शिशुपाल, लोकेश, मनोज सहित अन्य बिजली कर्मचारी उपस्थित थे।

ककराला में पिछले सात दिन से जारी सात एनएसएस शिविर का हुआ समापन

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में पिछले सात दिन से जारी राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का मंगलवार को विधिवत समापन हो गया। एनएसएस इंचार्ज विनय यादव ने शिविर के दौरान स्वयं सेवकों द्वारा किए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। विद्यालय के प्राचार्य ओमप्रकाश ने एनएसएस के स्वयंसेवको को नैतिक शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन के महत्व समझाया। विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव ने बताया कि एनएसएस के स्वयंसेवको में संवेदनशीलता, धैर्य और त्याग की भावना बनी रहनी चाहिए। उन्हें सदैव मानवता की भलाई के लिए कार्य करने चाहियें। उन्होंने सात दिन में किए गए कार्य की सराहना ही। बेहतर कार्य करने वाले स्वयं सेवकों को पारितोषिक वितरित किया गया। इस मौके पर एनएसएस के स्वयं सेवक तथा विद्यालय के शिक्षक उपस्थित थे।

25 दिन बाद भी नहीं हुआ बागोत के युवक का अंतिम संस्कार

केंद्रीय मंत्री पर लगाए पूर्व मंत्री को बचाने के आरोप

सप्ताहभर बाद घरबार छोडकर जंगल में जाने का किया ऐलान

बीती 13 दिसंबर को युवक ने किया था सुसाइड

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। खंड के गांव बागोत में निवासी 26 वर्षीय युवक मोहित द्वारा 13 दिसंबर 2024 को फांसी लगाकर आत्म हत्या करने के 25 दिन बाद मृतक के पिता कैलाश चंद ने मंगलवार को पत्रकार सम्मेलन आयोजित किया। बागोत गांव में अपने घर पर आयोजित इस सम्मेलन में पंहुचे पत्रकारों के सामने उन्हें विभिन्न पहलु रखे। जब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं होती तब तक अपने पुत्र का अंतिम संस्कार नहीं करेगें। उन्होंने एक केंद्रीय मंत्री पर पूर्व मंत्री को बचाने के आरोप लगाए। देश के प्रधानमंत्री से उम्मीद जताते हुए न्याय की गुहार लगाई है साथ ही कहा है कि उन्हें न्याय नहीं मिला तो वे सात दिन बाद सपरिवार जंगल में निकल जाएगें तथा वापिस लौटकर नहीं आएगें। मृतक की माता ने कहा कि दो दिन में केस दर्ज नहीं होता है तो वह अपनी जीवन लीला समाप्त कर लेगी। इसके अलावा कैलाशचंद ने कहा कि वह परिचार को बचाने बचाने के मूड में है।

ईधर शव का 14 दिसबंर को पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा दिया था। उसके बाद पिछले 25 दिन से शव एसडीएच कनीना के फ्रीजर में रखा हुआ है। जिसमें संक्रमण की संभावना से इंकार नहीं किया जा रहा है। प्रबुध नागरिकों का कहना है कि उनके जीवन में पहली बार ऐसा मामला सामने आया है जिसके वारिश होते हुए मृतक का अंतिम संस्कार नहीं किया जा रहा है। अन्यथा लावारिश अवस्था में मिलने वाले शव का 72 घंटे बाद प्रशासन द्वारा ससम्मान अंतिम संस्कार करवा दिया जाता है।

मृतक के पिता कैलाशचंद 8 व्यक्तियों के विरूध कार्रवाई की मांग पर अडे हुए हैं। जबकि पुलिस प्रशासन इस संदर्भ में साक्ष्य उपलब्ध करवाने को कह रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों व गांव के मोजिजान लोगों तथा रिश्तेदारों द्वारा मृतक के पिता कैलाशचंद को शव का अंतिम संस्कार करने के लिए समझाने के काफी प्रयास किए जा चुके हैं। लेकिन अभी तक मामला ज्यों का त्यों बना हुआ है। पुलिस कर्मचारी पूरे प्रकरण पर नजर बनाए हुए हैं।

हरियाणा में कांग्रेस एमएलए को पुलिस ने किया तलब, डीएसपी दफ्तर में 4 घंटे पूछताछ

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी। भिवानी में छात्रा के सुसाइड मामले में आज लोहारू से कांग्रेस विधायक राजबीर फरटिया को पूछताछ के लिए डीएसपी ऑफिस बुलाया गया। यहां उन्हें करीब चार घंटे तक बैठाए रखा गया। पूछताछ के बाद जब वह बाहर आए तो उन्होंने कहा कि उन्हें कॉलेज की बेटियों ने बताया है कि उन्हें डराया -धमकाया जा रहा है। उनसे कहा जा रहा है कि जेल हो जाएगी। पुलिस प्रशासन पर बेटियों को परेशान करने का आरोप लगाते हुए विधायक ने कहां कि एक बेटी हमारे बीच से चली गई है। ऐसे में बार-बार बेटियों को पूछताछ के नाम पर परेशान किया जा रहा है। यदि कुछ अनहोनी हुई तो प्रशासन की जिम्मेदारी होगी। बता दें कि भिवानी जिले के गांव सिंघानी स्थित शारदा महिला कॉलेज की बी फाइनल ईयर की छात्रा दीक्षा ने 24 दिसंबर को फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया था। वह आर्थिक तंगी के कारण कॉलेज की फीस नहीं भर पाई थी। इसके चलते उसे कॉलेज से निकाल दिया गया था विधायक फरटिया इस कॉलेज के मालिक हैं।

धनौंदा व खरकडा बास से तीन किसानों के कृषि उपकरण चोरी

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। सर्दी के मौसम में चोरी की घटनाएं बढने लगी हैं। जिसे लेकर ग्रामीण चिंतित हैं। इसी कडी में कनीना-दादरी मार्ग स्थित गांव धनौंदा व खरकडा बास में अज्ञात चोर तीन किसानों के कृषि उपकरण चोरी कर ले गए। इस बारे में धनौंदा निवासी किसान भागीरथ ने कनीना शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात्री उसके खेत से 5 फवारा, 3 पाइप बैंड, दो गिलासी, 2 टी-बैंड एवं सोलर कनेक्सन की केबल चोरी हो गई। इसके अलावा उन्हीं के गांव के किसान शिवकुमार के खेत से दो टी-बैंड, दो लिासी तथा बिजली केबल तथा बलजीत वासी खरकडा बास के खेत से एक टी-बैंड,एक गिलासी, एक बैंड व स्पीकर चोरी हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

कार ने बाईक को पीछे से मारी टक्कर, दो घायल

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-अटेली मार्ग स्थित गांव भोजावास के समीप घटित सडक हादसे में बाईक चालक व सवार दो व्यक्ति घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए कनीना अस्पताल में दाखिल कराया गया। इस बारे में शेरसिंह निवासी ढाणी जरावता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 5 जनवरी को अपने साथी अशोक के साथ भोजावास से सामान लेकर वापिस घर जा रहा था। सांय छह बजे जब वे गोमला के समीप पंहुचे तो पीछे से तेज गति से आ रही एक कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। उन्होंने देखा कि इस कार को ढाणी जरावत निवासी अनिल उर्फ धोलिया चला रहा था। इस हादसे में बाईक क्षतिग्रस्त हो गई वहीं उन्हें भी चैटें आई। घायलों को उप नागरिक अस्पताल कनीना में दाखिल कराया गया जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार कर उन्हें जिला अस्पताल के लिए रैफर कर दिया। पुलिस ने शेरसिंह की शिकायत पर हादसे के आरोपी कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

मकर सक्रांति के अवसर गौशाला में होगा हवन का आयोजन

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। अयोध्या में भगवान राम के मंदिर की खुशी में प्रत्येक व्यक्ति 22 जनवरी को अपने घरों में 21 दीपक जलाए। ये बातें महंत लक्ष्मणगिरी गौशाला बुचावास के महंत विट्ठलगिरी महाराज ने कही। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में पूरे संसार के सनातनी लोगों में खुशी की लहर है। 22 जनवरी को दीपावली जैसा माहौल रहेगा। उन्होंने कहा कि सनातन विचारों तथा राम मंदिर के इतिहास को पाठ्यक्रम में शामिल कर विद्यार्थियों को शिक्षा दी जानी चाहिए। जिससे भारत पुन: विश्व गुरु बन सके। 22 जनवरी से आगे भारत में सनातन विचार अर्मृत पान कर सकेंगे और सांप्रदायिक जहर का त्याग कर देंगे। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति के पर्व पर आगामी 14 जनवरी को महंत लक्ष्मण गिरि गौशाला बुचावास में हवन का आयोजन किया जायेगा। जिसकी तैयारियां जारी हैं।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के ब्लॉक प्रधान बने आजाद सिंह

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी। हरियाणा राज्य चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन ब्लॉक सिवानी के चुनाव में आजाद सिंह गैंडावास को सर्व समिति से प्रधान चुना गया है इस चुनावी बैठक की अध्यक्षता राज्य कोषाधायक्ष धर्मबीर फोगाट ने की । जानकारी के अनुसार शहर के कबीर धर्मशाला में हरियाणा राज्य चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ का ब्लॉक स्तरीय चुनाव किया गया इस चुनाव में आजाद सिंह गैंडावास को सर्वसम्मति से प्रधान बजरंगलाल व सुरेंद्र को प्रधान ,सतीश कुमार को सचिव ,जय प्रकाश को कोषाध्यक्ष तथा सुबे सिंह को प्रेस चुना गया। अपने चयन पर ब्लॉक प्रधान आजाद सिंह गैंडावास ने कहा कि उनका जो संगठन ने जिम्मेदारी सौंपी है वह उसे बखूबी निभाने का काम करेंगे।

कालोद के नंबरदार उजागर सिंह को बेटियों ने दिया कंधा

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी। खंड के गांव कालोद के नंबरदार उजागर सिंह को उनकी बेटियों ने कंधा दिया उजागर सिंह 75 वर्ष के थे तथा पिछले कुछ दिनों थे वह अस्वस्थ चल रहे थे। जानकारी के अनुसार उजाकर सिंह ने एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली।उजागर सिंह के सात बेटियां है जिन्होंने अपने पिता उजागर सिंह के निधन पर उनको कंधा दिया वही बेटी मैना व राजेश ने मुखाग्नि दी। उजागर सिंह की बेटी हिंदी अध्यापिका सुमन ने बताया कि वह सात बहने हैं जो की सभी अच्छी पढ़ी लिखी है वह खुद हिंदी अध्यापिका है वहीं उनकी छोटी बहन पूनम हरियाणा पुलिस में कार्यरत है उन्होंने बताया कि अपने पिता को कभी बेटे का एहसास नहीं होने दिया वही पिता ने भी सातों बेटियों का बेटों की तरह पालन पोषण किया तथा कभी बेटे की कमी महसूस नहीं की। सुमन ने बताया कि उनके पिता की अंतिम इच्छा यही थी कि मेरी बेटियां मुझे कंधा दे और सातों बेटियों दे उनकी अंतिम इच्छा को कंधा देकर के पूरा किया। उन्होंने बताया कि पिता गांव के नंबरदार, एक्स सर्विसमैन, बहुत ही सम्मानित, सामाजिक कार्यकर्ता थे। गांव के आस पास के अनेक गणमान्य लोगों ने भी उजागर सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

पाकिस्तानी आतंकी हैंडलर की प्रॉपर्टी सीज

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को पुलवामा जिले के अवंतीपोरा इलाके में पाकिस्तान में मौजूद आतंकी हैंडलर की प्रॉपर्टी सीज की। आतंकी का नाम मुबाशिर अहमद की है। पुलिस के मुताबिक अवंतीपोरा में पुलिस ने त्राल के पस्तून इलाके के सैयदाबाद में चार मरला जमीन सीज की। अवंतीपोरा पुलिस की जांच में दौरान मुबाशिर अहमद की पहचान आतंकी हैंडलर के तौर पर हुई। अहमद लोकल आतंकी नेटवर्क को हथियार और गोला-बारूद उपलब्ध कराता था।

यूपी में ठंड से 25 मौतें

वाराणसी। यूपी में कड़ाके की ठंड का दौर जारी है। मंगलवार को 51 जिलों में कोहरा छाया है। वाराणसी समेत कई जिलों में विजिबिलिटी 50 मीटर तक पहुंच गई है। 30 की स्पीड से हवाएं चल रहीं। इससे गलन बढ़ गई है। ठंड के चलते प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 10 की जान गई है। 48 घंटे में मौत का आंकड़ा 25 है। कोहरे के चलते वाराणसी में 13, जबकि लखनऊ में 10 फ्लाइट्स देरी से आईं। ट्रेनों पर भी असर देखने को मिला। कानपुर और वाराणसी रेलवे स्टेशन आने वाली करीब 200 ट्रेनें 12 घंटे तक लेट रहीं। मौसम विभाग ने 40 जिलों में कोल्ड-डे का अलर्ट जारी किया है। प्रयागराज और मुजफ्फरनगर में सुबह हल्की बूंदाबांदी हुई।

बर्फीली परिस्थितियों के कारण जम्मू और कश्मीर में बाद में उपचुनाव करवाये जायेंगे : ईसीआई

श्रीनगर/नई दिल्ली, । भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को घोषणा की कि वह बर्फीली परिस्थितियों के कारण जम्मू और कश्मीर में बाद में उपचुनाव कराएगा। ईसीआई ने कहा कि उनके पास चुनाव कराने के लिए अभी भी समय है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि वे क्षेत्र में बर्फीली परिस्थितियों के कारण आज बडगाम और नगरोटा में उपचुनाव के कार्यक्रम की घोषणा नहीं कर रहे हैं। सीईसी ने उल्लेख किया कि उनके पास चुनाव कराने के लिए 20 अप्रैल तक का समय है। उमर अब्दुल्ला ने 21 अक्टूबर को बडगाम सीट खाली कर दी थी जबकि देविंदर सिंह राणा के निधन के बाद 31 अक्टूबर को नगरोटा सीट खाली हो गई थी। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा 151ए के अनुसार किसी भी रिक्ति को भरने के लिए उपचुनाव रिक्ति की तारीख से छह महीने के भीतर होना चाहिए। भाजपा द्वारा देविंदर सिंह राणा की बेटी देवयानी राणा को नगरोटा सीट से उम्मीदवार बनाए जाने की संभावना है लेकिन इस बात को लेकर व्यापक उत्सुकता है कि बडगाम सीट के लिए एनसी का उम्मीदवार कौन होगा। एनसी ने अपने उम्मीदवार के बारे में कोई संकेत नहीं दिया है जिससे राजनीतिक पर्यवेक्षकों और मतदाताओं में समान रूप से दिलचस्पी पैदा हो रही है। 2024 के जम्मू-कश्मीर चुनावों में उमर अब्दुल्ला ने अलगाववादी नेता आगा हसन के बेटे मुंतज़िर मेहदी को 18,000 से अधिक मतों के अंतर से हराकर बडगाम सीट जीती थी। देविंदर सिंह राणा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के जोगिंदर सिंह को 30,472 मतों से हराकर नगरोटा सीट जीती थी।

एचएमपीवी वायरस ने पसारा पैर, तमिलनाडु में मिले दो केस

चैन्नई। चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) बहुत तेजी से फैल रहा है। यह वायरस अब धीरे-धीरे भारत में पैर पसार रहा है। कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात और पश्चिम बंगाल के बाद तमिलनाडु में भी ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के दो केस सामने आए हैं। मुख्य सचिव ने बताया कि दोनों संक्रमितों की हालत स्थिर है। तमिलनाडु सरकार के डीआईपीआर ने बताया गया कि एचएमपीवी कोई नया वायरस नहीं है। इसकी पहचान साल 2001 में की गई थी। आराम और अच्छी मात्रा में पानी पीने और उचित देखभाल से यह संक्रमण ठीक हो जाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब तक कर्नाटक में दो, महाराष्ट्र में दो, गुजरात में एक, पश्चिम बंगाल में एक और तमिलनाडु में वायरस के दो मामले सामने आए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एचएमपीवी वायरस मुख्य रूप से पीड़ित व्यक्ति के श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है। इसके लक्षण कई मामलों में कोविड-19 के समान ही होते हैं। ये वायरस मुख्य रूप से शिशुओं और छोटे बच्चों को संक्रमित करता है। इस वायरस से संक्रमित मरीज में सबसे आम लक्षण खांसी है। इसके साथ हल्का बुखार, घरघराहट, नाक बहना या गले में खराश जैसे परेशानी भी हो सकती है। वायरस से संक्रमित होने के बाद कुछ मामलों में गंभीर लक्षण आ सकते हैं। सांस लेने में तकलीफ भी हो सकती है।

युवक की बहादुरी देख लोग हुए हैरान : तेंदुए की पूंछ पकड़ी और पिंजड़े में डाल दिया

बेंगलुरु। कर्नाटक के तुमकुरु से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। तुमकुरु जिले के रंगपुरा गांव के निवासी आनंद कुमार ने एक खूंखार तेंदुए के आगे ऐसी बहादुरी दिखाई कि वन अधिकारी स्तब्ध रह गए। आनंद ने तेंदुए को पूंछ से पकड़ लिया और सुरक्षित रूप से पिंजरे में बंद कर दिया। बता दें कि शहरी इलाकों या बस्तियों में खूंखार जानवरों के घुस जाने से दहशत का माहौल हो जाता है। बीते अक्तूबर में उत्तर प्रदेश के बहराइच से ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां के सुजौली थाना क्षेत्र के कतर्नियाघाट रेंज के अयोध्यापुरवा गांव में पिछले कुछ दिनों से एक तेंदुए का आतंक बना हुआ था। इस तेंदुए ने चार लोगों पर हमला किया, जिससे गांव के लोग डरे हुए और परेशान थे। लगभग 20 दिनों के बाद अयोध्यापुरवा गांव में खूंखार तेंदुए को आखिर पकड़ लिया गया है। वन विभाग ने तेंदुए को पिंजरे में कैद कर लिया था। दरअसल, इलाके में तेंदुए के आ जाने की खबर से कई दिनों से दहशत का माहौल था। सोमवार को वह पुरलेहल्ली रोड पर कुमार के घर के पास दिखाई दिया। वन विभाग के अधिकारी जानवर को पकड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार थे। लेकिन जाल के साथ उनके प्रयास असफल साबित हुए। इस दौरान आनंद ने निडरता से कदम बढ़ाया, उसने तेंदुए को उसकी पूंछ से पकड़ लिया और उसे पिंजरे में कैद कर दिया। अपनी बहादुरी के लिए पूरे गांव में उसकी प्रशंसा हो रही है। वन अधिकारी उसके साहस से आश्चर्यचकित रह गए।

200 यूनिट फ्री बिजली और बुजुर्गों को 1500 रुपये पेंशन, बिहार में तेजस्वी ने किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कैमूर में अपनी कार्यकर्ता संवाद यात्रा के तहत 2025 के विधानसभा चुनाव में सत्ता में आने पर उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि हम हर घर को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देंगे। हम वरिष्ठ नागरिकों के लिए पेंशन बढ़ाकर 1500 रुपये प्रति माह करेंगे। हमने 5 लाख लोगों को रोजगार दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह मेरा वादा है, जो राजद के सत्ता में आने पर पूरा किया जाएगा।

तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना करते हुए उन्हें एक ऐसा नेता बताया जो थका हुआ है और उनका दिमाग ठीक नहीं है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार थक चुके हैं और रिटायर्ड अफसरों के सहारे सरकार चला रहे हैं। कोई भी निर्णय लेने लायक नीतीश कुमार अब नहीं रहे हैं। पूरी तरीके से हाईजैक हो रखे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में पुलिस ने अपराधियों के आगे घुटने टेक दिए हैं। आज भी 156 अपराधों की सूची मैंने जारी की है।

तेजस्वी ने साफ तौर पर कहा कि अब नीतीश कुमार जी की साख नहीं रही है। प्रशांत किशोर को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा कि एक कहानी लिखी गई है जिसमें एक निर्देशक, निर्माता, फाइनेंसर, अभिनेता, वैनिटी वैन है, कौन ये करा रहे हैं किस वजह से करा रहे हैं ये हम जानते हैं। किसी को छात्रों से लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरी तरीके से एक फिल्म दिखाई जा रही है, एक नैरेटिव सेट करने की कोशिश की जा रही है। जिससे हम अवगत हैं। ये भाजपा की बी टीम है।

संसद में डॉ. भीमराव आंबेडकर पर टिप्पणी पर गृहमंत्री अमित शाह के विरुद्ध परिवाद दायर

सुल्तानपुर। यूपी के सुल्तानपुर में मंगलवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के विरुद्ध परिवाद दायर हुआ है। विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने याचिका पर 15 जनवरी को सुनवाई की तारीख नियत की है। यह परिवाद अमित शाह द्वारा संविधान रचयिता डॉ भीमराव आंबेडकर को लेकर की गई टिप्पणी पर किया गया है। यह परिवाद धम्मौर थाना क्षेत्र के बनकेपुर सरैया निवासी रामखेलावन ने कराया है। रामखेलावन ने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह द्वारा 17 दिसंबर 2024 को सदन में डॉ. भीमराव आंबेडकर पर टिप्पणी की गई। कहा कि जिनकी बदौलत अमित शाह आज गृहमंत्री हैं, उन्हीं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की। जिनको करोड़ों गरीब मजदूर अपना भगवान मानते हैं, उससे करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। इससे मेरी भी भावना आहत हुई है। बताया कि इसी को लेकर गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ परिवाद दायर किया है। अधिवक्ता जयप्रकाश ने बताया कि अमित शाह ने लोकसभा में बाबा साहब आंबेडकर को लेकर अमर्यादित टिप्पणी किया था। उन्होंने बाबा साहब का अपमान किया। इसी बात को लेकर परिवादी राम खेलावन ने कोर्ट में परिवाद दायर किया है। परिवादी ने कोर्ट को बताया कि बीते 24 दिसंबर 2024 को बहुजन समाज पार्टी के साथ मिलकर पुलिस अधीक्षक को मिलकर दिया था। साथ ही उन्हें रजिस्टर डाक से भी कार्रवाई के लिए तहरीर भेजी थी। लेकिन, पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं की गई। तब हम न्याय के लिए कोर्ट आए हैं।

बीपीएससी मामले की सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा-पटना हाईकोर्ट जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) 70वीं प्रीलिम्स परीक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि यह मामला पटना हाईकोर्ट में सुलझाया जाना चाहिए। याचिका में परीक्षा रद्द करने और प्रदर्शन के दौरान कैंडिडेट्स पर लाठीचार्ज करने के लिए जिले के एसपी और डीएम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने इस मामले पर सुनवाई की और कहा कि याचिकाकर्ता को पटना हाईकोर्ट में अपील करनी चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने यह दावा किया कि पूरे देश ने देखा है कि बिहार पुलिस ने कैसे बेरहमी से प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज बरसाई, लेकिन कोर्ट ने कहा कि यह हाईकोर्ट का मामला है, आप वहीं जाएं। यह याचिका आनंद लीगल एंड फोरम ट्रस्ट की ओर से दायर की गई थी, जिसमें बीपीएससी परीक्षा के दौरान धांधली का आरोप लगाया गया। याचिका में पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में सीबीआई से कराने की भी मांग की गई थी। बीपीएससी परीक्षा की असमंजस स्थिति बीपीएससी 70वीं कंबाइंड सिविल सेवा परीक्षा के लिए नोटिफिकेशन 20 सितंबर 2024 को जारी किया गया था। इस परीक्षा के लिए 1964 पदों पर भर्ती निकाली गई थी, जो बीपीएससी के इतिहास में सबसे बड़ी वैकेंसी मानी जा रही है। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद से परीक्षा को लेकर असमंजस की स्थिति बनी, क्योंकि पांच बार पदों को अपडेट किया गया और परीक्षा की तारीख को तीन बार बढ़ाया गया।

डल्लेवाल ने मेडिकल सुविधा लेने से किया इनकार कहा- मेरी जान नहीं किसान है प्राथमिकता

चंडीगढ़ (एजेंसी)। बीते 42 दिनों से अनशन पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत बिगड़ गई है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित कमेटी ने मुलाकात की। इस दौरान डल्लेवाल ने साफ कर दिया कि मेरे लिए मेरी जान नहीं किसान है पहली प्राथमिकता। किसानों का हित पहले है और सेहत दूसरे नंबर पर है। उन्होंने 42 दिनों से जारी अनशन ना तोड़ने पर अडिग रहने की बात कही। इसके अलावा अस्पताल जाकर मेडिकल सुविधा लेने के प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया। डल्लेवाल ने कहा कि मेरी प्राथमिकता कृषि सुधार है। मेरी जिंदगी और सेहत तो बाद की बात हैं। हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस नवाब सिंह, पूर्व डीजीपी बीएस संधू, अर्थशास्त्री बीएस घुम, कृषि एक्सपर्ट देविंदर शर्मा और पंजाब किसान आयोग के चेयरपर्सन सुखपाल सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने बातचीत के लिए तय कमेटी में शामिल किया है।

इस दौरान किसान डल्लेवाल की सेहत के लिए चिंतित दिखाई दिए। जस्टिस नवाब सिंह से एक किसान ने तो यहां तक अपील की कि आप लोग जल्दी से उन्हें राजी कर लेंगे, वरना हम लोग अपना नेता खो देंगे। वहीं जब कमेटी के सदस्य मिलने पहुंचे तो डल्लेवाल ने अनशन तोड़ने या फिर स्वास्थ्य लाभ लेने से बिलकुल इनकार कर दिया। डल्लेवाल ने कहा, क्या मैं एक आग्रह कर सकता हूं? मुझे 42 दिन हो चुका है। यदि भगवान मेरे साथ हैं तो कुछ नहीं होगा। मेरी एक ही बात है कि यदि सरकार किसानों पर कुछ दया दिखाती है तो फिर मुझे यह सब करने की जरूरत ही नहीं है। सरकार को समय-समय पर अपने वादे पूरे करने चाहिए। मैं आप लोगों से अपील करता हूं कि सरकार से कहें कि हमारी मांगों को मान ले ताकि मुद्दों का समाधान हो सके।

कमेटी के मेंबर दोपहर को करीब सवा 3 बजे खनौरी बॉर्डर पहुंचे, लेकिन किसान नेता से महज 10 मिनट की ही बात हो सकी। वहीं सुप्रीम कोर्ट में भी सोमवार को सुनवाई हुई थी, जिसमें जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एनके सिंह की बेंच ने कहा कि उम्मीद करते हैं कि कुछ हल निकल जाएगा। लेकिन किसान नेता के अड़ियल रुख के आगे किसी की चलती नहीं दिख रही। लंबी चली मशक्कत के बाद किसान नेता ने कमेटी से मुलाकात तो कर ली, लेकिन यह भी साफ कर दिया कि अनशन जारी रहेगा और मेडिकल सुविधा भी नहीं लेंगे। अनशन स्थल पर ही जस्टिस नवाब सिंह ने किसानों से भी बात की और फिर डल्लेवाल से मिलने के लिए टेंट सिटी पहुंचे।

डल्लेवाल की लगातार बिगड़ रही सेहत

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत सोमवार शाम को 'बिगड़ गई' और उनका रक्तचाप गिर गया। प्रदर्शन स्थल पर मौजूद चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। चिकित्सकों ने बताया कि डल्लेवाल का रक्तचाप 80/56 तक गिर गया है और इसमें उतार-चढ़ाव हो रहा है। डॉ. अवतार सिंह ने कहा, उनकी हालत बिगड़ गई है। उनका रक्तचाप तेजी से गिरा है। उनकी हालत देखकर हम चिंतित हैं। हम उन्हें कोई चिकित्सकीय सहायता नहीं दे सकते। गैर सरकारी संगठन '5 रिवर्स हार्ट एसोसिएशन' की टीम में शामिल सिंह ने कहा, हमने उनके पैर ऊपर किए जिसके बाद उनके रक्त प्रवाह में थोड़ा सुधार हुआ। उन्होंने बताया कि डल्लेवाल के रक्तचाप में उतार-चढ़ाव हो रहा है।

बैठक से पहले ही बिगड़ी प्रशांत किशोर की तबीयत, एंबुलेंस से ले गए अस्पताल

पटना (एजेंसी)। बिहार में जन सुराज पार्टी नेता प्रशांत किशोर की तबीयत खराब हो गई है उन्हें मेदांता अस्पताल ले जाया गया है। इससे पहले प्रशांत किशोर के आवास पर एंबुलेंस पहुंची, जिसमें उन्हें अस्पताल ले जाया गया। बता दें, मंगलवार को प्रशांत किशोर के अनशन का छठा दिन है।

गौरतलब है कि प्रशांत किशोर ने मंगलवार को पटना के शेखपुरा हाउस में जन सुराज पार्टी की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में आगे की योजना पर चर्चा होनी थी। बैठक में तय किया जाना था कि प्रशांत अब अपना अनशन किस स्थान पर जारी रखेंगे, लेकिन उसके पहले ही उनकी तबीयत बिगड़ गई है, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। मंगलवार सुबह ही पार्टी के सोशल मीडिया पेज पर एक पोस्ट शेयर की गई थी, जिसमें लिखा था- मामला तो गांधी मैदान में ही निपटेगा। सीएम नीतीश कुमार की जिद से बड़ी है बिहार के युवाओं की जिद। सुनिए नीतीश जी और बीजेपी यदि बिहार के स्वाभिमान को लाठियों के बल पर कुचलने का मुगालता पाल रखा है तो इस अहंकार को तोड़ना हर बिहारी का नैतिक दायित्व है और हाँ गाँधी मैदान याद रखिएगा!

प्रशांत किशोर ने बीपीएससी छात्रों के मुद्दे को लेकर अब सत्याग्रह का ऐलान किया है। एक्स पर उनकी टीम की ओर से एक पोस्ट शेयर किया गया है जिसमें लिखा- दम है कितना दमन में तेरे, देख लिया है देखेंगेज जगह है कितनी जेल में तेरे, देख रहे हैं देखेंगे। पुलिस कस्टडी से बाहर निकलते ही प्रशांत किशोर ने खुलकर अपनी बात कही। इस दौरान प्रशांत ने कहा कि दो घंटे पहले जिस प्रशांत किशोर को बिहार पुलिस पकड़ कर जेल ले गई थी, अब उसे ही रिहा कर दिया है। कोर्ट ने हमें अर्कडिशनल बेल दिया है। मैं हमेशा कहता हूं कि जनबल के आगे कोई बल नहीं है। यह जनता के लिए किया गया सत्याग्रह का ही प्रभाव है।

राहुल गांधी ने नहीं दिया जवाब, बरेली कोर्ट से दूसरा समन जारी; ओवैसी को भी पेश होने का आदेश

बरेली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सांसद असदुद्दीन ओवैसी की ओर से बरेली के जिला जज न्यायालय से जारी समन का कोई जवाब नहीं दिया गया। मंगलवार को दोनों नेताओं के खिलाफ दायर रिवीजन याचिकाओं को अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या दो में स्थानांतरित कर दिया गया। साथ ही दूसरा समन जारी कर कोर्ट ने राहुल गांधी को 18 जनवरी और असदुद्दीन ओवैसी को 19 जनवरी को याचिका पर सुनवाई के दौरान पेश होने के आदेश दिए हैं।

विदित हो कि लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर बयान दिया था। हिंदूवादी संगठनों की ओर से इसका तीखा विरोध हुआ था। इसी मामले में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक की ओर से बरेली के कोर्ट में अर्जी दी गई थी। एमपी-एमएलए कोर्ट ने उस वक्त अर्जी को खारिज कर दिया था। इस आदेश के संबंध में पंकज पाठक ने जिला एवं सत्र न्यायालय में अपील कर दी। मामले का संज्ञान लेते हुए सत्र न्यायालय ने वाद दायर कर सुनवाई के लिए सात जनवरी 2025 की तिथि निर्धारित की। न्यायालय ने नोटिस जारी कर राहुल गांधी को पेश होने का आदेश भी दिया। लेकिन, राहुल गांधी न पेश हुए और न ही उनकी तरफ से कोई जवाब आया। इस पर कोर्ट से दूसरा समन जारी किया गया है।

उधर, जय फलस्तीन बोलने पर ओवैसी के खिलाफ याचिका दाखिल हुई है। बीते वर्ष लोकसभा चुनाव के बाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने संसद में शपथ लेने के बाद जय फलस्तीन का नारा लगाया था। इसके बाद अधिवक्ता वीरेंद्र गुप्ता की ओर से अवर न्यायालय में असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ याचिका दायर की गई थी, जिसे खारिज कर दिया गया था। इसके बाद अधिवक्ता ने पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। जिला जज की अदालत ने पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार करते हुए सांसद असदुद्दीन ओवैसी को सात जनवरी को हाजिर होने के लिए नोटिस जारी किया था। ओवैसी की तरफ से भी कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया। इस पर कोर्ट ने 19 जनवरी को पेश होने के आदेश दिए हैं।

मौसम विभाग ने उत्तर भारत के राज्यों के लिए जारी किया अलर्ट

* फसलों पर भारी पड़ेगी बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के उत्तरी मैदानों में हफ्ते के अंत में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बेमौसम बारिश होने की संभावना है। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई। यह बारिश पश्चिमी विक्षोभ की हलचल के कारण हुई है। पश्चिमी विक्षोभ अब इस क्षेत्र से दूर जाना शुरू हो गया है। जैसे-जैसे पश्चिमी विक्षोभ (मौसम प्रणाली) पीछे हट रहा है वैसे ही बर्फ से ढके पहाड़ों से सूखी और ठंडी हवाएं उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के भागों में चलनी शुरू हो जाएंगी। जिससे न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट आएगी।

लेकिन आने वाले दिनों में फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा, क्योंकि एक और पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालय की ओर बढ़ रहा है। यह मौसम प्रणाली (पश्चिमी विक्षोभ) उत्तर राजस्थान और उससे सटे पंजाब और हरियाणा में प्रेरित चक्रवातीय परिसंचरण को सक्रिय करेगी। इस प्रणाली के प्रभाव से उत्तर राजस्थान में सबसे पहले बारिश और गरज-चमक की गतिविधियां शुरू होंगी। धीरे-धीरे यह गतिविधियां पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली एनसीआर के कई हिस्सों में फैलेंगी।

कृषि के लिए बड़ा खतरा बन सकती है ओलावृष्टि

गरज-चमक के साथ ओलावृष्टि की संभावना भी बनी हुई है, जो कृषि के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। अगर ऐसा होता है, तो ओलावृष्टि खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा सकती है, विशेषकर जो फसलें विकास के चरण में हैं। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों को सतर्क रहने की जरूरत है, जिससे इस कठोर मौसम में होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

वीकेंड पर बारिश का अलर्ट

पश्चिमी विक्षोभ के हटने के कारण वीकेंड से पहले तक न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट होगी। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में ठंड का प्रकोप देखा जाएगा और रातें बेहद सर्द होंगी। हालांकि, यह ठंडा मौसम ज्यादा दिनों तक नहीं रहेगा क्योंकि नया पश्चिमी विक्षोभ तापमान के रुझान को पलट देगा। जैसे-जैसे बारिश और बादल छाने की संभावना बढ़ेगी, न्यूनतम तापमान फिर से बढ़ने लगेगा। खासकर 11 जनवरी से उत्तर पश्चिम भारत और उससे सटे उत्तर प्रदेश के मैदानों में बारिश होगी और तापमान बढ़ेगा।

नए साल में कमाई के मामले में मस्क से भी आगे निकल गए कई रईस

फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के मार्क जकरबर्ग पहले नंबर पर

वाशिंगटन ।

दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में पिछले साल 203 अरब डॉलर की तेजी आई थी। अब 437 अरब डॉलर की नेटवर्थ से साथ अब भी नंबर बने हुए हैं। लेकिन नए साल में कमाई के मामले में कई रईस उनसे आगे निकल गए हैं। मस्क की नेटवर्थ में इस साल अब तक 5.05 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस साल अब तक सबसे ज्यादा कमाई करने के मामले में फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के मार्क जकरबर्ग पहले नंबर पर हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक जकरबर्ग की नेटवर्थ में 8.86 अरब डॉलर की तेजी आई।

इस साल उनकी नेटवर्थ 15.4 अरब डॉलर बढ़ी है। वह 223 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। एनवीडिया के फाउंडर जेंसन हुआंग की नेटवर्थ इस साल 12.7 अरब डॉलर बढ़ी है जबकि चेंगपेंग झाओ की नेटवर्थ में 11.9 अरब डॉलर की तेजी आई है। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस की नेटवर्थ में इस साल 7.63 अरब डॉलर की तेजी आई है और वह 246 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं।

लैरी पेज की नेटवर्थ में इस साल 5.98 अरब डॉलर और सर्गेई ब्रिन की नेटवर्थ में 5.58 अरब डॉलर की तेजी आई है। इसी तरह माइकल डेल की नेटवर्थ 4.54 अरब डॉलर बढ़ी है। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट के कारण मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की नेटवर्थ में गिरावट आई। अंबानी की नेटवर्थ में 2.59 अरब डॉलर और अडानी की नेटवर्थ में 3.53 अरब डॉलर की गिरावट आई। अडानी इस साल 4.21 अरब डॉलर गंवा चुके हैं जबकि अंबानी ने 11.9 करोड़ डॉलर गंवाए।

भारतीय रिजर्व बैंक ने ताबड़तोड़ सोना खरीदकर अपना भंडार बढ़ाया

आरबीआई ने पिछले साल 2024 में 73 टन सोना खरीदा

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोने की खरीद ताबड़तोड़ बरकरार रखी है। आरबीआई ने पिछले साल 2024 में 73 टन सोना खरीदा है, जो चीन के खरीद से भी अधिक है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने नवंबर, 2024 में अपने भंडार में कुल 53 टन सोना जोड़ा, जिसमें से आरबीआई का 8 टन सोना शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार संभावित अनिश्चितताओं के माहौल में केंद्रीय बैंकों ने इस सुरक्षित संपत्ति का महत्व समझकर सोने के खरीदार बने रहे हैं। नवंबर में केंद्रीय बैंकों ने 53 टन सोना बढ़ाया। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस महीने अपने भंडार में और 8 टन सोना जोड़कर इस वर्ष की खरीद की मात्रा 73 टन हो गई है। आरबीआई के साथ पोलैंड के केंद्रीय बैंक एनबीपी भी दूसरे स्थान पर है, जो नवंबर में 21 टन सोना खरीदकर अपने भंडार में जोड़ता गया है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं पर ध्यान देने के साथ उभरते बाजारों के केंद्रीय बैंकों का उत्कृष्ट सोने की खरीद सतत कर रहा है, जो आर्थिक संसाधनों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में मदद कर सकता है। यह एक बड़ी चेतावनी है कि अर्थव्यवस्था में किसी भी आपात स्थिति में, सिर्फ सोना ही है जो संभाल सकता है।

200 मेगापिक्सल तक के कैमरा वाले फोन ऑफर कर रही सैमसंग

मुम्बई ।

जल्द ही आपको सैमसंग की गैलेक्सी डिवाइसेज में 500 मेगापिक्सल का कैमरा सेंसर देखने को मिल सकता है। कंपनी अभी 200 मेगापिक्सल तक के कैमरा वाले फोन ऑफर कर रही है। इसके साथ ही सैमसंग आईफोन 18 सीरीज के लिए भी थ्री-लेयर स्टैक्ड सेंसर डिवेलप कर रहा है।

यह जानकारी टिपस्टर ने एक एक्स पोस्ट में दी। माना जा रहा है कि कंपनी 500 मेगापिक्सल का कैमरा गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा में ऑफर कर सकती है। अगर ऐसा होता है, तो सैमसंग स्मार्टफोन फोटोग्राफी में बाकी कंपनियों से काफी आगे निकल सकता है। अफवाह है कि गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा में कंपनी जबर्दस्त इमेजि प्रोसेसिंग ऑफर करने वाली है, जो हाई-रेजॉलूशन सेंसर के आउटपुट को और बेहतर बनाएगा। कंपनी अपने डिवाइसेज के अलावा ऐपल के लिए थ्री-लेयर स्टैक्ड सेंसर बना रही है। रिपोर्ट के अनुसार इस सेंसर का पीडी-टीआर- लॉजिक कॉन्फिगरेशन मोजूदा आईफोन्स में ऑफर किए जा रहे सोनी के एक्समोर आरएस इमेज सेंसर की परफॉर्मेंस से काफी बेहतर होगा। आईफोन 18 सीरीज के डिवाइस पहले ऐपल स्मार्टफोन हो सकते हैं, जिनमें सैमसंग का सेंसर ऑफर किया जा सकता है।

इसमें 1/2.6 इंच की साइज वाला 48 मेगापिक्सल का सेंसर भी शामिल हो सकता है। अफवाहों के अनुसार आईफोन 18 सीरीज में कंपनी मेन कैमरा के लिए वैरिएबल अपर्चर टेक्नोलॉजी ऑफर कर सकती है। इसकी मदद से यूजर अलग-अलग लाइटिंग कंडीशन में अपर्चर को बेहतर परफॉर्मेंस के लिए अडस्ट कर सकेंगे। बताते चलें कि ऐपल अपनी आईफोन 18 सीरीज में नेक्स्ट जेनरेशन ए20 चिपसेट ऑफर कर सकता है।

महंगाई की वजह से कंपनियों ने किया पैकेट का आकार छोटा

- अब 10 रुपए का बिस्कुट पैकेट पहले से छोटा, लेकिन कीमत वही

नई दिल्ली ।

महंगाई को देखते हुए एफएमसीजी कंपनियों ने प्रोडक्ट के पैकेट का साइज कम कर दिया है। अब 10 रुपये का बिस्कुट पैकेट पहले से छेटा हो गया है, लेकिन कीमत वही रखी गई है। इस बदलाव के पीछे महंगाई और उपभोक्ता की बजट से बाहरी कीमतों का असर है। उच्च महंगाई ने स्नैक्स, साबुन और चाय जैसी चीजों की कीमतें बढ़ा दी है, जिसके कारण कंपनियां बजट से बाहर होने के दर से उपभोक्ता के लिए सस्ते पैकेट उपलब्ध करा रही हैं। विश्लेषकों ने कहा कि चालू तिमाही में कुछ कंपनियां कीमतों में और बढ़ोतरी कर सकती हैं। मैरिको के एक अे धिकारी ने हाल ही में कहा था कि वह प्रोडक्ट्स की कीमत में वृद्धि करने की प्रक्रिया में हैं। कमजोर शहरी मांग के कारण एफएमसीजी कंपनियों की वृद्धि धीमी रही है। वहीं अच्छे मानसून के कारण ग्रामीण बाजार बढ़ रहे हैं। हालांकि, सुधार धीरे-धीरे हो रहा है और अकेले शहरी मंदी की भरपाई नहीं कर सकता। उच्च कमोडिटी मुद्रास्फीति का मतलब है कि कंपनियों के पास खपत बढ़ाने के लिए कीमतें कम करने की कोई गुंजाइश नहीं है। एक

विश्लेषक ने कहा कि अगर उपभोक्ता 1 किलो चाय और मल्टी-पैक साबुन खरीदने की जगह 500 ग्राम चाय पैक और एक या दो साबुन खरीदने लगते हैं तो यह निश्चित रूप से कंपनियों की तिमाही वॉल्यूम वृद्धि को प्रभावित करेगा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से खाताधारकों को मिली बड़ी राहत

- गलत तरीके से पैसा कटा तो बैंक होगा जिम्मेदार

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, जिसमें उन्होंने खाताधारकों को बड़ी राहत देने का निर्णय लिया है। कोर्ट ने कहा है कि अगर किसी ग्राहक के खाते से अनधिकृत और धोखाधड़ी वाला ऑनलाइन लेनदेन होता है, तो उसे तीन दिनों के भीतर रिजर्व बैंक को शिकायत दर्ज करानी होगी। इस मामले में बैंक को ग्राहक को नुकसान की राशि की भरपाई करनी होगी। इस फैसले से ग्राहकों को सुरक्षा और विश्वास भी` मिलेगा। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि बैंकों को धोखाधड़ी वाले लेन-देन का पता लगाने और रोकने के लिए तकनीकों का सही उपयोग करना चाहिए। यह फैसला न केवल ग्राहकों को सुरक्षित बनाएगा, बल्कि बैंकों को भी उनकी सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने के लिए मजबूर करेगा। ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे सतर्क रहें और किसी के साथ ओटीपी साझा न करें। इस फैसले के तहत भारतीय स्टेट बैंक को एक ग्राहक को 94,204 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया गया है। यह मामला 18 अक्टूबर 2021 को हुए एक अनधिकृत लेन-देन के मामले से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है और एसबीआई की याचिका को खारिज कर दिया गया है। यह फैसला ग्राहकों को समय पर शिकायत दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित करेगा और बैंकों को उनकी सुरक्षा प्रणालियों को मेहराबान करेगा। ग्राहकों को अब यह आशा है कि उनकी शिकायतों की ठीक कार्रवाई की जाएगी और उनके नुकसान की पूर्ति होगी।

भूगर्भ में छिपा हुआ है हाइड्रोजन का विशाल भंडार

दुनिया को लगभग 200 साल तक कर सकता है बिजली सप्लाई

वॉशिंगटन ।

आधुनिक वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी के भूगर्भ में छिपा हुआ हाइड्रोजन अद्वितीय संसाधन हो सकता है जो पूरी दुनिया को लगभग 200 साल तक बिजली सप्लाई कर सकता है। यह खोज एक नया मार्ग प्रदर्शित कर सकती है। हालांकि, हाइड्रोजन हाइड्रोजन के बारे में कुछ बुनियादी सवाल उठाए जा रहे हैं। भंडारण की अवधि, उत्पादन प्रक्रिया और उपयोग के प्रकार पर विचार किया जा रहा है। वैज्ञानिकों की रिपोर्ट के अनुसार, इस प्राकृतिक संसाधन में ऐसी दुर्लभता मौजूद है जो सभी पूर्वानुमानों को छुड़ा सकती है। यह जनस्वास्थ्य, वायुप्रदूषण और ऊर्जा संयंत्रों के साथ सांचा हिट कर सकता है। जबकि शोधकर्ता इस संसाधन को पहचान चुके हैं, उन्हें इसे उत्पादित करने के लिए केसे निकालेंगे और कैसे वैश्विक स्तर पर इसे लागू करेंगे, यह भी सोचने लायक सवाल है। आखिरकार, जब हम अपने पर्यावरण के लिए उर्जा की जरुरत से सजग हो रहे हैं, हाइड्रोजन का संसाधन समय की आवश्यकताओं का अनुपालन करने में मदद कर सकता है।

तुअर की दाल के दामों में भारी गिरावट

इंदौर । भारत के बाजारों में तुअर के दामों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। अभी तक 500 रूपये प्रति क्विंटल की गिरावट आ चुकी है। उत्पादक मंडियों मे तुअर की आवक बढ़ रही है। दाल मिलों और स्टॉकिस्टों की ठंडी मांग के चलते बाजार में गिरावट का रुख बना हुआ है। बाजार से प्राप्त जानकारी के अनुसार आयातकों की बिकवाली होने से बाजारों में तुअर दाल के दामों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। इंदौर की मंडी में तुवर के भाव 6900 प्रति क्विंटल रह गए हैं।व्यापारियों के अनुसार मुंबई पोर्ट पर लेमन तुअर 6900 सफेद तुअर 6500 तथा उड़द का 7800 रुपए प्रति क्विंटल पर पर कारोबार हो रहा है।

स्मार्टफोन कलपुर्जों पर शुल्क कटौती से प्रभावित होगा इलेक्ट्रॉनिक परिवेशः जीटीआरआई

- व्यवसायिक उत्पादन को हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2025-26 के सरकारी बजट में स्मार्टफोन के कलपुर्जों पर सीमा शुल्क में कटौती की पूर्वानुमानित सूचनाएं भारतीय व्यावसायिक सेक्टर को लेकर चिंताजनक संकेत दे रही हैं। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने इस विषय पर अपनी रिपोर्ट में दावा किया है। जीटीआरआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि स्मार्टफोन उद्योग ने वर्ष 2023-24 तक भारत के लिए बड़े निर्यात का दरवाजा खोला है। इसका निर्यात 15.6 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। हालांकि, सीमा शुल्क में कटौती की संभावना पर चिंता जताते हुए उन्होंने बताया कि ऐसी कटौती से व्यवसायिक उत्पादन को नुकसान पहुंच सकता है। यह उत्पादन में कमी लाने, निवेश की कमी करने और नौकरियों के लिए चिंता का कारण बन सकती है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस स्थिति से बचने के लिए शुल्क में कटौती की बजाय कंपनियों को अपने भंडारण और आयात की क्षमता में सुधार करने की आवश्यकता है। जीटीआरआई के अनुसार, इस निर्णय से भारत के व्यावसायिक सेक्टर पर असर पड़ सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार को सख्ती से कुछ सरल और कारगर कदम उठाने की आवश्यकता है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

उर्जा शेयरों में रही तेजी

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन एशियाई सहित दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से घरेलू शेयर ऊपर आया है। वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। आज उर्जा शेयरों में तेजी से बाजार में उछाल आया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी जैसे शेयरों में बढ़त से बाजार को बल मिला।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज 234.12 अंक करीब 0.30 फीसदी की बढ़त लेकर 78,199.11 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी अंत में 91.85 अंक तकरीबन 0.39 फीसदी की बढ़त लेकर 23,707.90 के स्तर पर बंद हुआ। आज स्मॉल-कैप शेयरों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। निफ्टी 1.35 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। वहीं निफ्टी मिडकैप 0.89 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

आज सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा मोटर्स का शेयर सबसे ज्यादा ऊपर आया। टाइटन , अदाणी पोर्ट्स, इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड और टाटा मोटर्स के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए।

दूसरी ओर जोमैटो का शेयर सबसे ज्यादा नीचे आया। टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स और बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी गिरावट रही।

आज अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में इंट्रादे ट्रेड में उछाल आया। बाजार जानकारों के अनुसार उर्जा शेयरों से बाजार उछला। इसके अलावा रिलायंस

इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयरों में तेजी ने भी बाजार को सहारा मिला।

अन्य बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों में उछाल से एशिया-प्रशांत बाजारों में तेजी रही। एसएंडपी 500 और नैस्डैक लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। सेमीकंडक्टर कंपनी एनवीडिया के शेयरों में बड़ा उछाल आया।

ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी) के शेयर सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए थे। इसका असर एशियाई बाजारों पर भी दिखा।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 359.41 अंक चढ़कर 78,324.40 के लेवल पर खुला। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टीभी 134.40 अंकों की बढ़त के साथ 23,750.45 के स्तर पर खुला।

इंडो फार्म का शेयर 20 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ सूचीबद्ध

- बीएसई पर शेयर ने 258.40 रुपये पर शुरुआत की

नई दिल्ली । इंडो फार्म इक्विपमेंट का शेयर अपने निर्गम मूल्य 215 रुपये से 20 प्रतिशत से अधिक बढ़कर मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 258.40 रुपये पर शुरुआत की जो निर्गम मूल्य से 20.18 प्रतिशत का बढ़त दिखाता है। इसके बाद यह 33.44 प्रतिशत चढ़कर 286.90 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 256 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,355.30 करोड़ रुपये रहा। इंडो फार्म इक्विपमेंट के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले दिनों बोली के अंतिम दिन तक 227.57 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 260 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 204-215 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। इंडो फार्म इक्विपमेंट ट्रैक्टर, पिक एंड कैरी क्रेन और अन्य कृषि उपकरण बनाती है।

भारतीय प्रौद्योगिकी की गाथा बेहद रोमांचक, सीईएस में जारी रहेगीः शीर्ष अधिकारी

- प्रौद्योगिकी कार्यक्रम 10 जनवरी तक चलेगा

लास वेगास । कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (सीईएस) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि भारतीय प्रौद्योगिकी गाथा बेहद रोमांचक है और उम्मीद की जा रही है कि यह सीईएस में जारी रहेगी। सीईएस, दुनिया का सबसे बड़ा प्रौद्योगिकी कार्यक्रम, 10 जनवरी तक चलेगा। यहां वैश्विक कंपनियां नवोन्मेषी स्टार्टअप, उद्योग जगत के लोग, मीडिया तथा सरकारी अधिकारी भाग लेंगे। 1,400 स्टार्टअप सहित 4,500 से अधिक प्रदर्शक इसमें शामिल होंगे। केली ने कहा कि भारत तेजी से एक वैश्विक खिलाड़ी बन रहा है और इसका महत्व वैश्विक प्रौद्योगिकी परिवेश में बढ़ रहा है। उन्होंने इस संस्थान से भारतीय कंपनियों के साथ विकास के लिए साझेदारी की बात कही। सीईएस में पहली बार भारतीय मंडप समेत कई छोटे उद्यम शामिल होंगे, जिसे उन्होंने रोमांचक बताया। बड़ी तथा छोटी कंपनियां अपनी प्रौद्योगिकी, उत्पाद और समाधान को प्रदर्शित करेंगी। संगठन अनुसार 300 से अधिक सम्मेलन सत्रों में 1,100 वक्ता भाग लेंगे। इस वर्ष भारत के स्टार्टअप और उद्यमिता के प्रौद्योगिकी उत्पादों का प्रदर्शन करेंगें। सीईएस एक अवसर है जहां विश्व में अपनी पहचान बनाने का मौका मिलेगा।

चीनी होगी महंगी, 11 रुपए बढ़ सकते हैं दाम

- किसानों को होगा फायदा पर आम आदमी की कटेगी जेब

नई दिल्ली ।

सरकार ने किसानों और चीनी संगठनों की मांग को ध्यान में रखते हुए एमएसपी में बढ़ोतरी करने पर विचार करने का ऐलान किया है। इन मांगों की वजह से जल्द ही मीठा खाना महंगा हो सकता है। चीनी का एमएसपी वर्ष 2019 के बाद से बना हुआ है और अभी 31 रुपये प्रति किलोग्राम है। इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है, जो कि खुदरा बाजार में भी इसके दामों में बढ़ोतरी का कारण बन रहा है। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री ने इस मुद्दे पर कहा कि सरकार जल्द ही फैसला लेगी कि एमएसपी में क्या बढ़ोतरी की जाए। भारतीय चीनी और जैव-ऊर्जा निर्माता संघ और राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ ने भी एमएसपी को बढ़ाने की मांग की है। एमएसपी का बढ़ना चीनी उत्पादन की लागत को दर्शाएगा और चीनी मिलों को आर्थिक मदद पहुंचाएगा। अगर एमएसपी बढ़ेगा तो इससे खुदरा बाजार में भी चीनी की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। चीनी की महंगाई से मिठाइयों सहित खाने-पीने की वस्तुओं के दाम बढ़ सकते हैं। अगर चीनी का एमएसपी बढ़ाया जाता है तो इससे मिलों को आर्थिक मदद मिलेगी और किसानों का गन्ना बकाया भुगतान भी जल्दी होगा। फंड की कमी की वजह से अक्सर चीनी मिलों के पास गन्ना

किसानों का हजारों करोड़ रुपये बकाया रह जाता है।

चीनी का एमएसपी बढ़ाने जाने का मतलब होगा कि इसे तय कीमत से कम दाम पर खरीदा नहीं जा सकेगा। जब चीनी का एमएसपी ही करीब 11 रुपये बढ़ जाएगा तो निश्चित रूप से खुदरा बाजार में भी चीनी की कीमत बढ़ेगी और इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर होगा। चीनी महंगी होने से मिठाइयों सहित खाने-पीने की ज्यादातर चीजों के दाम बढ़ सकते हैं।

वीहांत टेक्नोलॉजीज ने गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र से जुटाए 90 लाख डॉलर

अधिक अत्याधुनिक उत्पादों को विकसित करने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली ।

कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सुरक्षा तथा निगरानी समाधान प्रदाता वीहांत टेक्नोलॉजीज ने टू नॉर्थ के 'प्राइवेट क्रेडिट फंड' से गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र के जरिये वित्तपोषण के एक दौर में 90 लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 77 करोड़ रुपये जुटाये हैं। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि वीहांत ने अपनी वर्तमान पेशकशों को बढ़ाने तथा विमानन सुरक्षा, स्मार्ट शहरों और उद्यम विश्लेषण के लिए नवीन समाधान विकसित करने के लिए अनुसंधान व विकास गतिविधियों को बढ़ाने हेतु 75 प्रतिशत धनराशि खर्च करने की योजना बनाई है। वीहांत के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि टू नॉर्थ से जुटाई गई यह धनराशि हमें विमानन सुरक्षा, स्मार्ट और सुरक्षित शहरों और उद्यम विश्लेषण समाधानों के क्षेत्रों में और अधिक अत्याधुनिक उत्पादों को विकसित करने और उन्हें पेश करने में मदद करेगी। यह हमें पश्चिम एशिया तथा यूरोप में भौगोलिक विस्तार में भी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) के जरिये जुटाई गई राशि 2026 तक 12 से 18 महीनों के भीतर आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने और कंपनी को सूचीबद्ध कराने की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण होगी।

कल्याण ज्वैलर्स का राजस्व 39 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में कल्याण ज्वैलर्स का राजस्व सालाना आधार पर 39 प्रतिशत बढ़ा। मजबूत त्यौहारी और शादी-ब्याह की मांग से इसे बल मिला। कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में एकीकृत राजस्व 5,223.07 करोड़ रुपये रहा था। कल्याण ज्वैलर्स के भारतीय परिचालन में राजस्व वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 41 प्रतिशत तथा पश्चिम एशिया में 22 प्रतिशत रही। कंपनी ने अगले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत तथा विदेशों में कल्याण व डिजिटल मंच 'कैंडेरे फॉर्मेट' में 170 नए शोरूम शुरू करने की योजना बनाई है। 31 दिसंबर 2024 तक कंपनी के अपने सभी ब्रांड के 349 शोरूम थे।

रोहित और कोहली का टेस्ट में भविष्य चयनकर्ताओं पर निर्भर: गावस्कर

सिडनी (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने पिछले छह महीनों में टीम के खराब प्रदर्शन की गहन समीक्षा करने की वकालत करते हुए कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट में भविष्य अब पूरी तरह से चयनकर्ताओं के हाथ में है।

गावस्कर ने एक साक्षात्कार में रोहित और कोहली के भविष्य को लेकर चल रही बहस के संदर्भ में कहा, ''वे कितने समय तक टीम में रहेंगे यह वास्तव में चयनकर्ताओं पर निर्भर है। अब जबकि भारत डब्ल्यूटीसी (विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा है तो उन कारणों पर विचार करना उचित होगा कि ऐसा क्यों हुआ।'

डब्ल्यूटीसी की शुरुआत के बाद यह पहली बार है जबकि भारत इसके फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहा। वह रविवार को समाप्त हुई बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया से 1-3 से हार के बाद फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया। भारत को इस हार के कारण पिछले एक दशक में पहली बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से हाथ धोना पड़ा। उसकी पराजय का मुख्य कारण बल्लेबाजों का खराब प्रदर्शन रहा। रोहित और कोहली भारतीय बल्लेबाजी की कमजोर कड़ी साबित हुए।

कोहली ने 9 पारियों में एक नाबाद शतक सहित 190 रन बनाए, जबकि रोहित ने पांच पारियों में केवल 31 रन बनाए। गावस्कर ने टीम के बल्लेबाजों की बार-बार विफलता की ओर इशारा करते हुए कहा, 'यह स्पष्ट है कि पिछले छह महीनों में हमारी बल्लेबाजी विफल रही और यही मुख्य कारण था कि हम उन मैच में भी हार गए जो हमें जीतने चाहिए थे।'

इस पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'इसलिए अगर इंग्लैंड में जून में शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी के नए चक्र के लिए टीम में बदलाव की जरूरत है तो उम्मीद है कि चयनकर्ता इस बात पर गौर करेंगे कि 2027 में फाइनल तक कौन खिलाड़ी टीम में रहेगा और उसके अनुसार चयन करेंगे।% गावस्कर ने किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया लेकिन कहा कि घरेलू क्रिकेट में कुछ खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और अब उन्हें उचित मौका देने की जिम्मेदारी चयनकर्ताओं पर है। उन्होंने कहा, 'जब तक उन्हें मौका नहीं दिया जाएगा तो हमें कैसे पता चलेगा कि रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे?'

गावस्कर ने नितीश कुमार रेड्डी जैसी प्रतिभा को सामने लाने के लिए चयन समिति की भी सराहना की। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के जिन तीन बल्लेबाजों ने शतक लगाए उनमें रेड्डी भी शामिल थे। शतक लगाने वाले अन्य बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कोहली थे। उन्होंने कहा, 'नितीश कुमार रेड्डी में क्षमता देखने और उसे टेस्ट टीम में चुनने के लिए अजीत अगरकर और उनकी टीम को बधाई।'

गावस्कर ने गेंदबाजी के बारे में कहा कि भारत के पास पर्याप्त प्रतिभा है, जिसे अपेक्षित अवसर दिए जाने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जसप्रीत बुमराह जैसे स्टार खिलाड़ी पर जरूरत से ज्यादा बोझ न पड़े। उन्होंने कहा, 'भारत के पास कई होनहार तेज गेंदबाज हैं जो मौके का इंतजार कर रहे हैं। बुमराह पर ज्यादा बोझ नहीं डाला जाना चाहिए और अगर अन्य गेंदबाज भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं तो हमारे पास एक ऐसा आक्रमण हो सकता है जो किसी भी परिस्थिति में मैच जीत

सकता है।'

भारतीय क्रिकेट में स्टार खिलाड़ियों को सिर पर बिठाए रखने की संस्कृति रही है जिसे समय-समय पर बड़ी समस्या माना जाता है लेकिन गावस्कर ने कहा कि किसी भी खिलाड़ी के लिए अपने पांव जमीन पर बनाए रखना मुश्किल काम नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम हर दिन दर्पण में अपना चेहरा देखते हैं और चूंकि हम अपने साथ ऐसा करते हैं, इसलिए हम वर्षों में आए बदलावों पर ध्यान नहीं देते हैं। केवल जब हम पहले के दिनों की तस्वीरें या वीडियो देखते हैं तब हमें बदलाव के बारे में पता चलता है। इसके बाद हम सबसे अच्छा दिखने के लिए जरूरी बदलाव करने पर ध्यान देते हैं लेकिन ऐसा करने के लिए पूरी तरह से ईमानदार होना जरूरी है।'

छह साल के तैराक रेयांश ने बनाया विश्व रिकार्ड, समुद्र में 15 किलोमीटर की दूरी तय की

ठाणे (एजेंसी)। मुम्बई के ठाणे में रहने वाले छह साल के रेयांश खामकर ने समुद्र में समुद्र में 15 किलोमीटर तैरकर नया विश्व रिकार्ड अपने नाम किया है। रेयांश ने विजयदुर्ग में मालपे जेट्टी से वाघोटन जेट्टी तक की 15 किलोमीटर की दूरी तीन घंटे में पूरी की। इस नन्हे से तैराक की इस उपलब्धि को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी शामिल कयिा गया है। रेयांश के कोच स्टारफिश स्पोर्ट्स फाउंडेशन के कैलाश अखाड़े हैं। रेयांश ने अपने पहले प्रयास में ही यह दूरी तय कर ली। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ए. आशीष शेलार, ठाणे जिला एमेच्योर तैराकी संघ के अध्यक्ष निरंजन डावखरे और महाराष्ट्र राज्य एमेच्योर तैराकी संघ के उपाध्यक्ष राजेश मोरे ने इस रेयांया की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जव भविष्य की उम्मीद जतायी है।

अब 2027 में होने वाले वाला डब्ल्यूटीसी फाइनल रहेगा भारतीय टीम का लक्ष्य

-इंग्लैंड और न्यूजीलैंड में सीरीज रहेंगी अहम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025 से बाहर हो गयी है। ऐसे में अब उसका लक्ष्य 2027 में होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल पर ध्यान

देना रहेगा। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 सत्र की शुरुआत इसी साल जून में होगी। भारतीय टीम को इसके तहत सबसे पहले जून में इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज खेलनी है। दोनो ही टीमों के बीच 20 जून से पहला टेस्ट लीड्स में खेला जाएगा। इंग्लैंड से वापसी के बाद भारतीय क्रिकेट टीम इस साल दो घरेलू टेस्ट सीरीज वेस्टइंडीज और श्रीलंका से खेलेगी। भारतीय टीम को डब्ल्यूटीसी के साल 2025-27 सत्र के तहत इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के दौरे पर जाना है। इसमें से इंग्लैंड और न्यूजीलैंड में भारत का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। इसलिए उसे डब्ल्यूटीसी 2025-27 के फाइनल में पहुंचने इंग्लैंड और न्यूजीलैंड में सीरीज जीतनी या ड्रॉ करनी होगी। वहीं अगर वह हारी तो बाहर हो जाएगी। डब्ल्यूटीसी 2025-27 के फाइनल में पहुंचने के लिए किसी भी टीम को तकरीबन 60 फीसदी मैच जीतने होंगे।भारतीय टीम को विश्वप टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के कार्यक्रम में 6 सीरीज खेलनी हैं। जिसमें कुल 18 मैच खेले जाएंगे। भारतीय टीम को इनमें से 9 मैच अपनी धरती पर जबकि 9 विदेशी धरती पर खेलने हैं। भारतीय टीम इन 18 मैचों में से 10 मैच इंग्लैंड और 8 मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम 2026-27 में भारत का दौरा करेगी।

दक्षिण अफ्रीका ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज में पाकिस्तान का किया सूपड़ा साफ

केपटाउन (एजेंसी)। कगिसो रबाड़ा, केशव महाराज (तीन-तीन विकेट) और मार्को यानसन (दो विकेट) के बाद डेविड बेडिंघम (नाबाद 44) रनों की शानदार पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने आज दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन पाकिस्तान को 10 विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका दो मैचों की श्रृंखला में पाकिस्तान का सूपड़ा साफ कर दिया है।

दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को दूसरी पारी में 478 के स्कोर पर समेटने के बाद मिले 58 रनों के लक्ष्य को बिना कोई विकेट खोए 7.1 ओवर में हासिल कर लिया। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की डेविड बेडिंघम और एडन मारक्रम की सलामी जोड़ी शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। डेविड बेडिंघम ने 30 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुये (नाबाद44) रन बनाये। वहीं एडन मारक्रम 13 गेंदों में (14) रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में 61 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से जीता। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। दूसरे टेस्ट में 259 रनों की शानदार पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के रायन रिकलटन को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और सीरीज में 80 रन देकर 10

विकेट लेने वाले मार्को यानसन को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया। आज यहां पाकिस्तान ने कल के एक विकेट पर 213 रनों से आगे खेलना शुरु किया। मार्को यानसन ने खुर्रम शहजाद (18) को आउट कर पाकिस्तान को दूसरा झटका दिया।इसके बाद तो पाकिस्तान बल्लेबाजी लगातार अंतराल अपने विकेट गवांते चले गये। कामरान गुलाम (28), सऊद शकील (23), कप्तान शान मसूद (145) आगा सलमान (48) और मोहम्मद रिजवान (41), आमेर जमाल (34) तथा मीर हमजा (16) रन बनाकर आउट हुये। पाकिस्तान की पूरी टीम 122.1 ओवर में 478 के स्कोर पर सिमट गई। दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 58 रन बनाने का लक्ष्य मिला है। दक्षिण अफ्रीका के लिए कगिसो रबाड़ा, केशव महाराज ने तीन-तीन विकेट लिये और मार्को यानसन को दो विकेट मिले। वेना मफाका ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को पहली पारी में 194 के स्कोर पर सिमटने के बाद फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर किया था। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में रायन रिकलटन (259), तेम्बा बवूमा (106) और काइल वेरेन (100) रनों के महत्वपूर्ण योगदान से 615 रनों का स्कोर खड़ा किया था।

मंधाना की कप्तानी में आयरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

मुम्बई । स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में उतरेगी। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है। आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की यह सीरीज 10 जनवरी से शुरू होगी और इसके सभी मैच राजकोट में खेले जायेंगे। हरमनप्रीत के अलावा तेज गेंदबाज रेनुका को भी आराम दिया गया है। रेणुका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों में 10 विकेट लिए थे। वह पीठ के स्ट्रेस फ्रैक्चर से उबर रही हैं। भारतीय महिला टीम ने पिछले माह ही वेस्टइंडीज को टी20 सीरीज में 2-1 जबकि एकदिवसीय सीरीज में 3-0 से हराया था। इससे टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह आयरलैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी।

आयरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है : स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), तेजल हसबनिस, राघवी बिस्ट, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, टिटास साधु , साइमा ठाकोर, सयाली सतघरे।

अपने सफल डेब्यू से उत्साहित है वेबस्टर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के युवा ऑलरांउड ब्यू वेबस्टर अपने शानदार डेब्यू को लेकर उत्साहित हैं। वेबस्टर ने भारतीय टीम के खिलाफ सिडनी टेस्ट में अपने पहले ही मैच में 57 और नाबाद 37 रन बनाए थे। इसके अलावा उन्होंने गेंदबाजी करते हुए शुभमन गिल का विकेट भी लिया था। वेबस्टर ने कहा, 'मेरे पास इस सफलता के लिए शब्द नहीं हैं। मुझे इस प्रकार के डेब्यू की उम्मीद नहीं थी। यह सपने जैसा पदार्पण मैच था। तीन दिन के भीतर जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे भरोसा है कि सभी इसका जश्न मना रहे होंगे। वेबस्टर ने अंतिम टेस्ट में वॉशिंगटन सुंदर पर चौका लगाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलायी थी और उन्होंने कहा कि इस पल को वह कभी नहीं भूलेंगे। इस खिलाड़ी ने कहा, 'उस समय हमें चार रन ही चाहिए थे और मैने जब चौका लगाया तो मुझे लगा कि आपको अपने देश के लिये चौका लगाकर विजयी रन बनाने के कितने मौके मिलते हैं। उन्होंने कहा, 'मैने तय कर लिया था कि चौका लगाऊंगा और लगा भी सका। यह शानदार पल था जिसे मैं कभी नहीं भुला सकूंगा। शायद ऐसा कभी दोबारा नहीं होगा। निर्णायक टेस्ट में चौका लगाकर जीत तक पहुंचना। इससे बेहतर क्या हो सकता है। गौरतलब है कि वेबस्टर को खराब फॉर्म से जूझ रहे मिचेल मार्श की जगह आखिरी टेस्ट के लिए टीम में जगह मिली थी।

भारत इस साल करेगा भाला फेंक प्रतियोगिता की मेजबानी, नीरज चोपड़ा सहित कई स्टार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने मंगलवार को बताया कि भारत संभवतः इस साल सितंबर में भाला फेंक की शीर्ष प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा जिसमें ओलंपिक स्वर्ण और रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा सहित कई स्टार खिलाड़ी भाग लेंगे।

यह आयोजन उन कई प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त है जिनकी मेजबानी के लिए भारत ने अपनी रुचि व्यक्त की है। इसमें 2029 में होने वाली विश्व चैंपियनशिप भी शामिल है। एएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने पुष्टि की कि भारत ने 2029 विश्व चैंपियनशिप और 2027 में होने वाली विश्व रिले प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए

रुचि व्यक्त की है। एएफआई पिछले साल नवंबर में विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को की भारत यात्रा के दौरान पहले ही 2028 विश्व जूनियर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए अपनी रुचि व्यक्त कर चुका है।

पिछले 12 साल से एएफआई के अध्यक्ष रहे सुमरिवाला ने इस खेल महासंघ की वार्षिक आम बैठक के पहले दिन कहा, 'भारत इस साल के आखिर में भाला फेंक की एक शीर्ष प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा जिसमें दुनिया के चोटी के 10 खिलाड़ी भाग लेंगे।% उन्होंने कहा, 'नीरज चोपड़ा वहां होंगे। वह उस टीम का हिस्सा हैं जो इस प्रतियोगिता का आयोजन करेगी। जेएसडब्ल्यू, एक विदेशी फर्म और एएफआई मिलकर इस प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे हैं।' सुमरिवाला ने बाद में पीटीआई को बताया कि यह प्रतियोगिता सितंबर में आयोजित की जा सकती है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तेज गेंदबाजों के चयन को लेकर संशय में बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति के लिए अगले माह होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम चयन आसान नहीं होगा। चयनकर्ताओं के लिए सबसे ज्यादा परेशानी तेज गेंदबाजों के चयन की रहेगी। इसका कारण है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की एंठन से पीड़ित हैं जबकि एक साल से टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को लेकर भी संशय बना हुआ है। टीम के पास काफी बल्लेबाज और ऑलराउंडर हैं वह स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल हैं। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के लिए हार्दिक पंड्या, नीतीश रेड्डी और शिवम दुबे जैसे बल्लेबाज हैं। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली फार्म से बाहर चल रहे हैं पर इनका चयन पक्का है। रोहित और शुभमन गिल पारी की शुरुआत करते हुए दिख सकते हैं। वहीं तीसरे नंबर पर विराट कोहली और चौथे नंबर पर ऋषभ पंत उतरेंगे। वहीं पांचवें नंबर के लिए टीम के पास केएल राहुल, श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी हैं। छठे से 11वें नंबर तक ऑलराउंडर और गेंदबाज उतरेंगे। ऑलराउंडर के लिए भारतीय टीम के पास रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान फिट होने पर जसप्रीत बुमराह संभालेंगे। इसके अलावा मोहम्मद शमी और अर्शदीप सिंह को भी अवसर मिल सकता है। बुमराह पीठ में एंठन से परेशान हैं और इससे वह कब तक उबर जाएंगे ये अभी पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है। वहीं मोहम्मद शमी भी फिटनेस हासिल करने के लिए घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं पर वह भी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। ऐसे में अगर बुमराह और शमी फिट नहीं होते तो तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज करेंगे जबकि तीसरे तेज गेंदबाज के लिए हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, मुकेश कुमार, में से किसी एक को ये अवसर मिल सकता है।

सर्जरी के बाद इतनी सफल वापसी की उम्मीदें नहीं थी : राशिद

बुलावेयो । अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट में मिली 72 रनों की जीत पर खुशी जतायी है। राशिद ने इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 94 रन देकर चार और दूसरी पारी में 66 रन देकर सात विकेट लिए थे। राशि ने कहा कि उन्हें सर्जरी के बाद इस प्रकार की वापसी की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा, तीन साल बाद टेस्ट क्रिकेट में पीठ की सर्जरी से वापसी करते हुए खेलना मुश्किल था। जीत को लेकर उन्होंने कहा कि यह एक टीम का प्रयास है, जिस तरह से विरोधी टीम बल्लेबाजी में विफल रही उससे हम खेल में बढ़त हासिल करने में सफल रहे। राशिद ने रहमत शाह और युवा इज़मतुल्लाह के अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रशंसा की है। साथ ही कहा कि इन्होंने कठिन हालातों में अफगानिस्तान की दूसरी पारी को संभाला। उन्होंने कहा, जब टीम प्रयास करती है, तो आपके पास जीतने के अधिक अवसर होते हैं। जिस तरह से रहमत और इजमत ने बल्लेबाजी की, वह आसान नहीं था, खासकर इजमत के लिए जो डेब्यू पर पहली पारी में रन नहीं बना पाया था। इसके बाद जिस तरह से उसने दूसरी पारी में बल्लेबाजी की वह काफी शानदार था। दोनों की साझेदारी ने अफगानिस्तान की पारी को उबारा जिससे राशिद को मैच बचाने का अवसर मिला पाया।

भारतीय टीम के नये कप्तान का फैसला बीसीसीआई के लिए आसान नहीं

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा जिस प्रकार से खराब फार्म से गुजर रहे हैं। उससे जून में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में उनका खेलना तय नहीं है। उनकी उम्र भी करीब 38 साल हो रही है और ऐसे में भारतीय टीम जून में इंग्लैंड के खिलाफ नये कप्तान के साथ उतर सकती है। भारतीय टीम को अब डब्लयूटीसी 2025-27 की तैयारी में लगना होगा और इसके लिए भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) को नये कप्तान पर फैसला करना होगा हालांकि ये इतना आसान नहीं होगा। भारतीय टीम एक दशक में पहली बार ऐसी स्थिति में है, जब उसे नया कप्तान चाहिए और उसके लिए उसके पास तीन विकल्प हैं। जिसमें पहला नाम जसप्रीत बुमराह का है। बमराह की कप्तानी में भारतीय टीम ने पर्थ टेस्ट जीताथा। उनके नाम पर सभी तैयार रहेंगे पर टीम प्रबंधन कार्यभार प्रबंधन के तहत उन्हें यह जिम्मेदारी से नहीं देना चाहेगा। बुमराह काम का बोझ बढ़ने के कारण दबाव में रहते हैं। पीठ में दर्द के कारण वह सिडनी टेस्ट में पूरे समय नहीं खेल पाये थे। इससे पहले भारतीय टीम मैनेजमेंट ने ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को भी फिटनेस के ही मामले को लेकर टी20 टीम की कप्तानी नहीं दी थी। इसका कारण है कि कि वे हर मैच में उपलब्ध नहीं रहते हैं। इसी आधार पर अच्छे रिकॉर्ड और अनुभवी के बावजूद हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को कप्तान बना दिया गया। ऐसे में बुमराह को भी टेस्ट टीम का नियमित कप्तान बनाए जाने की संभावना कम ही है। उन्हें कुछ वक्त के लिए यह जिम्मेदारी जरूर दी जा सकती है। अगर बुमराह को कप्तान नहीं बनाया जाता तो केएल राहुल और ऋषभ पंत कप्तानी की दौड़ में शामिल हो जाते हैं। इनमें केएल राहुल की अंतिम ग्याहर में जगह पक्की नहीं रहती है जो उनका कमजोर पक्ष है। तीसरा नाम ऋषभ पंत है परन गावस्कर ने मेलबर्न टेस्ट में लापरवाह बल्लेबाजी के लिए जिस प्रकार उन्हें फटकारा उससे लगता है कि उन्हें अपने खेल में और गंभीरता लाने की जरूरत है। प्रेस रोहित शर्मा ने भी कहा था कि उन्हें समझने की जरूरत है कि किस वक्त में कैसा खेलना है।

शुभमन अगर तमिलनाडु से होता तो टीम इंडिया से बाहर होता

स्पोर्ट्स डेस्क । ऑस्ट्रेलिया में 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद युवा बल्लेबाज शुभमन गिल चौतरफा आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। गिल ऑस्ट्रेलिया में पांच पारियों में केवल 93 रन ही बना सके जिससे फैंस के साथ ही क्रिकेट विशेषज्ञ निराश हो गए। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने बयान दिया है कि अगर गिल तमिलनाडु से होते, तो टेस्ट क्रिकेट में इतने खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर कर दिया गया होता। बद्रीनाथ ने कहा कि मेरे लिए यह देखना बहुत मुश्किल है। उस स्तर पर उनसे जो उम्मीदें थीं उसमें वह खरा नहीं उतर पाए। आप रन बना सकते हैं, आप नहीं बना सकते, लेकिन इरादा और आक्रामकता होनी चाहिए। चाहता था कि वह गेंदबाजों को थका दे।

उन्होंने आगे कहा कि मैं चाहता हूं कि आप गेंद को पुराना बनाएं। अपने साथियों की मदद करें और रन न बनने पर भी डटे रहें। 100 गेंदें खेलें, गेंदबाजों को थकाएं। आपकी टीम का योगदान यही है (होना चाहिए)। लबुछेन और मैकस्वीनी ने ऐसा किया कुछ गेमों में बहुत सारी डॉट गेंदें खेलकर उन्होंने वास्तव में बुमराह को थका दिया। बद्रीनाथ ने यह भी आरोप लगाया कि अगर शुभमन गिल तमिलनाडु से होते तो उन्हें हटा दिया गया होता। उन्होंने कहा कि अगर शुभमन गिल तमिलनाडु से होता तो उसे हटा दिया गया होता।

आलोचनाओं के साथ-साथ शुभमन गिल की फील्डिंग भी सुर्खियों में आ गई है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने मैदान में गिल के प्रदर्शन की आलोचना की और दावा किया कि वह स्लिप में भी अविश्वसनीय हैं और टीम में उनके समग्र योगदान पर सवाल उठा रहे हैं। बद्रीनाथ ने बताया कि गिल न केवल बल्ले से संघर्ष करते दिखे बल्कि 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान अपने क्षेत्ररक्षण कर्तव्यों को पूरा करने में भी असफल रहे। बद्रीनाथ ने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि आपको वहां जाकर यह नहीं कहना चाहिए, %ओह, मैं ऐसे ही खेलता हूं। मैं खड़ा रहूंगा और प्रदर्शन करूंगा। चार लोग इसके बारे में लिखेंगे। उस समय आप जो भी कर सकते हैं, आप कोशिश करें और इस श्रृंखला में, मुझे यह शुभमन से नहीं मिला। मैदान पर भी उनका खराब प्रदर्शन रहा। वह टीम के लिए क्या योगदान दे रहे हैं?

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

पायल को मिला बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड, फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को क्रिटिक्स ने सराहा

पायल कपाड़िया की फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट के नाम कई उपलब्धियां दर्ज हो चुकी हैं। कान फिल्म फेस्टिवल में खूब तारीफें बटोरने और अवॉर्ड जीतने के बाद यह फिल्म गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स पाने की दौड़ में शामिल है। हाल ही में पायल कपाड़िया को बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड नेशनल सोसाइटी ऑफ फिल्म क्रिटिक्स की तरफ से मिला है।

क्रिटिक्स की मिली है सराहना

पायल कपाड़िया को बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड नेशनल सोसाइटी ऑफ फिल्म क्रिटिक्स की तरफ से मिला है तो इसका मतलब है कि उनकी फिल्म को क्रिटिक्स द्वारा पसंद किया गया है। यह फिल्म शुरुआत से ही प्रशंसकों के साथ आलोचकों को भी पसंद आई है। फिल्म की कहानी की बात की जाए तो इसमें मुंबई के बैकड्रॉप को लेकर आम महिलाओं के संघर्ष और जीवन को बहुत ही उम्दा तरीके से दिखाया गया है। पायल का डायरेक्शन भी बिल्कुल हटकर है। फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में कनी कुश्रुति, दिव्या प्रभा, छाया कदम जैसी बेहतरीन एक्ट्रेस हैं। इन सभी ने अपनी रोल को बहुत ही उम्दा तरीके से पर्दे पर निभाया है। खासकर कनी और दिव्या का काम दर्शकों को खूब भाया है।

अब ग्लोडन ग्लोब का इंतजार

अब 82वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में भी भारतीय दर्शकों की नजर पायल कपाड़िया की फिल्म पर टिकी हुई है। फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट को अवॉर्ड मिले, ऐसा हर मूवी लवर की ख्वाहिश है। दरअसल, पायल की फिल्म को आस्कर में नॉमिनेट होने का मौका नहीं मिला था, ऐसे में भारतीय सिनेप्रेमी चाहते हैं कि 82वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट अवॉर्ड जरूर जीत जाए।

दो कैटेगिरी में नॉमिनेशन

गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' का नॉमिनेशन दो कैटेगिरी में हुआ है, एक बेस्ट डायरेक्टर और दूसरी बेस्ट मोशन पिक्चर (नॉन इंग्लिश लैंग्वेज)। यह अवॉर्ड्स फंक्शन 6 जनवरी 2024 को टेलीकास्ट होगा।

एनिमल के विवाद को दरकिनार कर तृप्ति ने बताई फिल्म करने की असल वजह

तृप्ति डिमरी ने अपने छोटे से करियर में काफी लोकप्रियता हासिल की है। लैला मजनू से स्क्रीन पर डेब्यू करने वाली तृप्ति को संदीप रेड्डी वंगा की फिल्म एनिमल से काफी पॉपुलैरिटी हासिल हुई थी। हालांकि, फिल्म को काफी विवादों का सामना करना पड़ा था और इसे एंटी फेमिनिस्ट फिल्म भी कहा गया था, लेकिन तृप्ति का कहना है कि उन्होंने एनिमल को महिला विरोधी फिल्म के रूप में नहीं बल्कि एक बड़ी फिल्म के रूप में देखा था। एनिमल को महिला विरोधी फिल्म नहीं मानतीं तृप्ति हाल ही में, फिल्मफेयर के साथ एक साक्षात्कार में तृप्ति ने कहा, मैंने इसे नारीवाद विरोधी फिल्म के तौर पर नहीं देखा। मैं फिल्मों को ऐसे टैग नहीं देती। बुलबुल और कला करते समय भी मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं नारीवादी फिल्म कर रही हूं। मैं किरदारों से जुड़ी, निर्देशकों पर भरोसा किया और मुझे लगा कि मुझे यह फिल्म करनी चाहिए।

रोल के साथ करना था एक्सपेरिमेंट

एनिमल में काम करने को लेकर अभिनेत्री ने कहा, जब मुझे एनिमल ऑफर किया गया था, तब भी मैं संदीप सर से मिली थी और उन्होंने मुझे कहानी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया, उन्होंने मेरे किरदार के बारे में बताया। मेरे लिए, जो बात सबसे अलग थी, वह यह थी कि मैंने अब तक सिर्फ अच्छे और अच्छे लोगों की भूमिकाएं ही की हैं और मुझे लगा कि यह एक अच्छा मौका है, जहां मैं और किरदार भी निभा सकती हूं।

फिल्म में जोया का किरदार लगा चैलेंजिंग

फिल्म में जोया की भूमिका के बारे में बताते हुए तृप्ति ने कहा, वंगा सर ने मुझे कुछ बहुत ही दिलचस्प बात बताई। वह मेरी आंखों में मासूमिय देखना चाहते थे, लेकिन मेरे दिल में वह मिशन होना चाहिए, जिसे मैं पूरा करना चाहती हूं। मैं वहां कैसे पहुंचूं, यह मेरा काम था। मुझे यह काफी चैलेंजिंग लगा, इसी वजह से मैंने हां कहा।

बड़ी फिल्म करना चाहती थीं तृप्ति

हालांकि, आगे इंटरव्यू में अभिनेत्री ने यह बात मानी कि वह एक बड़ी फिल्म करना चाहती थीं। अभिनेत्री ने कहा, उस समय, एक बड़ी फिल्म मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शायद, मुझे कुछ नया सीखने को मिलेगा और मुझे यह भी देखने को मिलेगा कि बड़ी फिल्में कैसे बनती हैं।

टाइगर श्रॉफ ने अपने गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक झलक साझा की

टाइगर श्रॉफ अपने अभिनय कौशल के अलावा अपनी बेहतरीन फिटनेस, जबरदस्त एक्शन दृश्यों और शानदार डांस मूव्स के लिए भी जाने जाते हैं। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर अपने गहन प्रशिक्षण के बारे में जानकारी साझा की।

टाइगर श्रॉफ ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर बेहद प्रभावशाली किक करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। उन्हें अपने ट्रेनर पर शक्तिशाली किक मारते हुए हवा में उछलते हुए देखा जा सकता है। उन्हें बड़े स्क्रीन पर ऐसा कुछ करते हुए देखना दिलचस्प होगा। वीडियो के साथ बागी अभिनेता ने एक नोट लिखा, जिसमें लिखा था, आमतौर पर मुझे अपने किसी भी कौशल पर गर्व नहीं होता..लेकिन, यह एक ऐसा है जिसके बारे में मुझे आश्चर्य है कि मैंने इसे अभी तक क्यों नहीं देखा...भाईजान बच गए सॉरी नदीम अख्तर। इसके बाद नेटिजेंस ने टाइगर श्रॉफ के इस पोस्ट के कमेंट सेक्शन में टिप्पणियों की बाढ़ ला दी, जैसे कि मैं आपका सबसे बड़ा प्रशंसक हूं सर टाइगर श्रॉफ मैं आपसे प्यार करता हूं, फ्लाइंग मशीन, अद्भुत भाई...सुपर मूव, बड़ा प्रशंसक सर, और आप पर वीर हनुमान बजरंग बली का आशीर्वाद है।

टाइगर श्रॉफ समय-समय पर इंटरनेट पर अपनी फिटनेस यात्रा के ऐसे प्रेरक वीडियो डालने के लिए जाने जाते हैं। काम के मोर्चे पर अगर हम बात करें तो टाइगर श्रॉफ वर्तमान में अपनी आगामी एक्शन एंटरटेनर, बागी 4 के लिए तैयार हैं। लोकप्रिय बागी सीरीज की चौथी किस्त में संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज़ संधू मुख्य कलाकार के रूप में नजर आएंगे। ए हर्षा के निर्देशन में बनी यह फिल्म इस साल 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस ड्रामा को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है, जबकि स्वामी जे गौड़ा ने सिनेमैटोग्राफी का काम संभाला है। पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज संधू भी बागी 4 के साथ बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। टाइगर एक बार फिर इस फ्रैंचाइजी की नवीनतम किस्त में रॉनी के रूप में अपनी भूमिका को दोहराते हुए दिखाई देंगे।

इस दिन से ड्रैगन की शूटिंग शुरू करेंगे जूनियर एनटीआर

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर हाल ही में देवरा में जान्हवी कपूर के साथ नजर आए थे और फिलहाल वह बॉलीवुड फिल्म वॉर 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म में वह खलनायक बन बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन के साथ दो-दो हाथ करते नजर आएंगे। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस विशेष के रूप में रिलीज होने के लिए तैयार है। वहीं, इस बीच जूनियर एनटीआर के पास प्रशांत नील द्वारा निर्देशित एक पैन इंडिया फिल्म भी है, जिस पर नया अपडेट सामने आया है। यह जूनियर एनटीआर की 31वीं फिल्म होगी। एनटीआर 31 का संभावित शीर्षक ड्रैगन है। यह एक एक्शन फिल्म होगी। वहीं, अब फिल्म को लेकर ताजा जानकारी इसकी शूटिंग के बारे में सामने आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ड्रैगन की शूटिंग 16 जनवरी 2025 से शुरू होने की उम्मीद है और यह शेड्यूल मंगलुरु में होगा। हालांकि, इस खबर पर निर्माताओं या खुद अभिनेता जूनियर एनटीआर की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। इस पर अभी निर्माताओं की ओर से आधिकारिक मुहर लगनी बाकी है।

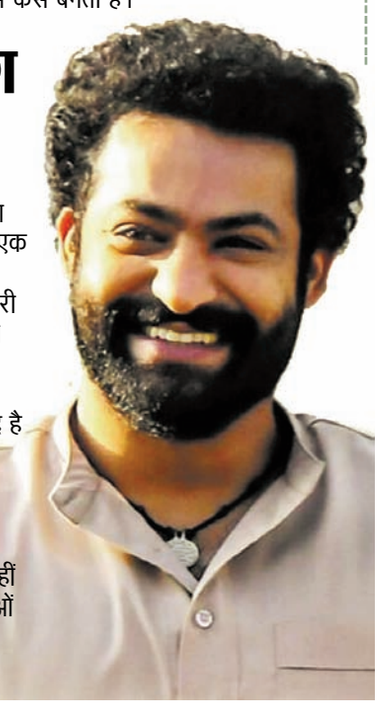

पर्सनल लाइफ को लेकर बोलीं शालिनी पासी

शालिनी पासी ने हाल ही में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कई खुलासे किए हैं। उन्होंने जल्दी शादी होने पर भी बात की। शालिनी ने शाहरुख खान और गौरी खान को लेकर कहा- मेरी काफी कम उम्र में शादी हो गई थी और उस टाइम गौरी ने मुझे काफी सपोर्ट किया था। शालिनी पासी ने मोजो स्टोरी में बरखा दत्त से बातचीत करते हुए कहा कि शाहरुख खान और गौरी खान उनके फैमिली फ्रेंड हैं। शालिनी के पति संजय पासी और शाहरुख खान स्कूल टाइम से दोस्त हैं।

रिश्तों को लेकर काफी मूडी हूं

उन्होंने कहा- संजय रिश्तों को लेकर काफी अच्छे हैं, जबकि मुझे अपने में रहना ज्यादा पसंद है। मैं बहुत ज्यादा मूडी हूं। संजय लोगों के साथ कॉन्टेक्ट बनाने में माहिर हैं, जबकि मैं ऐसा नहीं हूं। मैं किसी के लिए 100% अवेलेबल रहती हूं, लेकिन ये सब मेरे मूड पर डिपेंड करता है। शालिनी पासी ने आगे कहा- 'शाहरुख खान और गौरी के केस में ऐसा नहीं है। वो दिल्ली के रहने वाले लोग हैं, जिन्होंने बॉम्बे में काफी नाम कमाया है। फिर भी वो दोनों अपने सभी दोस्तों के साथ कॉन्टेक्ट में हैं जो काफी अच्छा है। गौरी ने मुझे हर टाइम सपोर्ट किया है। मेरी शादी बहुत छोटी उम्र में हो गई थी और गौरी मुझे हमेशा अपना एग्जांपल देकर समझाती थीं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। मुझे पता था कि मैं उन पर ट्रस्ट कर सकती हूं।'

नेटफ्लिक्स के शो में नजर आई थीं शालिनी

शालिनी पासी नेटफ्लिक्स के फैबुलस लाइव्स वर्सेज बॉलीवुड वाइव्स के तीसरे सीजन में डेब्यू करने के बाद से काफी चर्चा में हैं।

20 साल की कम उम्र में हुई थी शादी

बता दें, शालिनी ने 20 साल की उम्र में बिजनेसमैन संजय पासी से शादी कर ली थी। उन्होंने 21 साल की उम्र में एक बेटे को जन्म दिया था। उनका बेटा अब 27 साल का है। शालिनी ने कम उम्र में शादी करने के फैसले को सही बताया है।

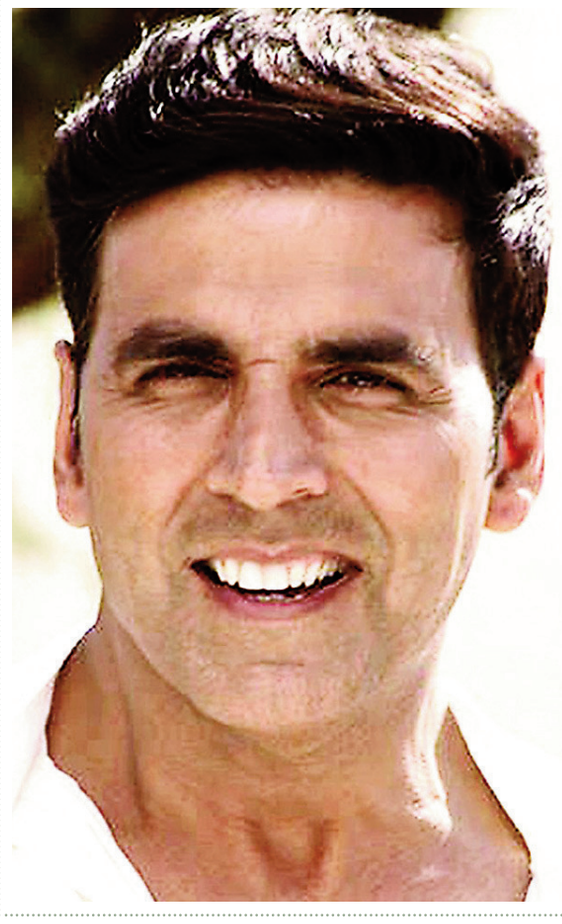

अक्षय कुमार को अपकमिंग फिल्मों से उम्मीद, क्या हिट एक्टर की लिस्ट में शामिल हो पाएंगे अभिनेता?

बॉलीवुड में साल 2025 की शुरुआत में अक्षय कुमार की एक फिल्म सिनेमाघरों में नजर आएगी। साल भर भी अक्षय की कई फिल्में देखने को मिलेंगी। क्या ये फिल्में खिलाड़ी कुमार के करियर पर लगे रहे फ्लॉप के ठप्पे को दूर कर पाएंगी? पिछले दो सालों में अक्षय कुमार के खाते में हिट कम, फ्लॉप फिल्में ज्यादा रही हैं। ऐसे में साल 2025 क्या अक्षय कुमार के करियर के लिए एक बेहतर साल साबित होगा या नहीं, यह उनकी फिल्मों की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट की बताएगी। साल 2025 में अक्षय कौन सी फिल्मों में नजर आएंगे?

स्कॉय फोर्स

साल 2025 में अक्षय कुमार की फिल्म 'स्कॉय फोर्स' दर्शकों को देखने को मिलेगी। 24 जनवरी को यह फिल्म रिलीज हो रही है, 26 जनवरी की छुट्टी का फायदा भी फिल्म को मिल सकता है। साथ ही गणतंत्र दिवस के मौके पर देशभक्ति की कहानी वाली फिल्म दर्शक देखने आ ही सकते हैं। फिल्म को लेकर उत्सुकता भी देखी जा रही है, सोशल मीडिया में इसके ट्रेलर को लेकर काफी क्रेज देखा गया है।

सी शंकरन पर फिल्म

वकील और पॉलिटिशियन रहे सी. शंकरन पर आधारित एक फिल्म में भी अक्षय कुमार नजर आएंगे। इसमें उनके साथ एक्टर आर. माधवन भी होंगे। फिल्म को लेकर अभी अधिक जानकारी नहीं है, लेकिन सब्जेक्ट इंट्रेस्टिंग जरूर लग रहा है।

जॉली एलएलबी 3

'जॉली एलएलबी' सीरीज की फिल्मों का अपना अलग एक दर्शक वर्ग है। इस सीरीज की पहली फिल्म में अरशद वारसी नजर आए, दूसरे पार्ट में अक्षय कुमार थे। अब 'जॉली एलएलबी 3' में अक्षय कुमार और अरशद वारसी दोनों ही नजर आएंगे। इस तरह दर्शकों को कॉमेडी की डबल डोज फिल्म में मिल सकती है।

हाउसफुल 5

हाउसफुल सीरीज की फिल्मों का भी हिस्सा अक्षय कुमार लंबे समय से बने हुए हैं। साल 2025 में वह 'हाउसफुल 5' में नजर आएंगे, इसमें बॉलीवुड एक्टर्स की एक बड़ी स्टार कास्ट मौजूद है। हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग खत्म हुई है। हाउसफुल सीरीज की फिल्मों में अक्षय की कॉमेडी दर्शकों को भाती है, इस साल भी हो सकता है कि वह दर्शकों को एंटरटेन कर पाएं।

कन्नपा

तेलुगू फिल्म 'कन्नप्पा' में अक्षय कुमार कैमियो करेंगे। वह फिल्म में भगवान शिव की भूमिका निभा सकते हैं। यह बात फिल्म के ट्रेलर के जरिए पता चली है। फिल्म में साउथ के कई नामी कलाकार भी नजर आने वाले हैं।

अनुपमा शो छोड़ रहीं रूपाली गांगुली? अभिनेत्री ने बताया सच

अनुपमा शो से कई महीनों से लगातार कई कलाकार बाहर हो चुके हैं, वहीं, अब खबरें आ रही थीं कि खुद रूपाली गांगुली भी शो छोड़ देंगी। वहीं, अब खुद अभिनेत्री ने ही इन खबरों का खंडन कर सच बताया है। रुपाली ने कहा- वाह, लोगों की सोच को मैं सराहती हूं, आप सभी का धन्यवाद कि आप मेरे बारे में और शो के बारे में बात कर रहे हैं। मैं क्या कहूं? हर इंसान का एक कोर होता है और मेरा कोर, मेरा विश्वास है, रूपाली ने प्रोडूसर राजन शाही की भी तारीफ की। उन्होंने आगे कहा- अनुपमा सिर्फ एक शो नहीं है मेरे लिए, यह एक भावना है, मेरा घर है, मेरा दूसरा घर, मेरे सारे पेट डॉग्स यहीं हैं और पूरी यूनिट एक परिवार बन गई है। क्या कोई अपना परिवार, घर छोड़ता है और भगवान न करे, ऐसा कभी जिंदगी में हो, अगर कभी राजन जी कह दें कि उन्हें मेरी जरूरत नहीं है तो शायद मैं उनसे लड़ाई करूं, बहस करूं और कहूं, प्लीज मुझे अनुपमा में रहने दीजिए।